हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 52 : जौनपुर, शुक्रवार 17 नवम्बर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज - 4 मूल्य : 2 रूपया

भारत समुद्री कानूनों के अनुरूप नौवहन और व्यापार की स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध : राजनाथ

एजेन्सी

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र समझौता 1982 सहित सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में नौवहन, हवाई उड़ान और निर्बाध वैध व्यापार की स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध है। श्री सिंह ने गुरूवार को इंडोनेशिया के जकार्ता में आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों की 10वीं बैठक (एडीएमएम–प्लस) को संबोधित करते हुए आसियान के महत्व का उल्लेख करते हुए क्षेत्र में बातचीत एवं सर्वसम्मति को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका की सराहना की।

रक्षा मंत्री ने विभिन्न हितधारकों के बीच व्यापक सहमति पर आधारित क्षेत्रीय सुरक्षा पहलों का आह्वान किया। उन्होंने क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए एडीएमएम–प्लस के साथ व्यावहारिक, दूरदर्शी और परिणामोन्मुखी सहयोग को बढ़ावा देने के बारे में भी प्रतिबद्धता व्यक्त की। श्री सिंह ने जोर देते हुए कहा कि संघर्ष और टकराव से मानव जीवन की हानि के साथ साथ आजीविका नष्ट होती है, क्षेत्रीय एवं वैश्विक स्तर पर स्थिरता में बाधा आती है और इसका खाद्य सुरक्षा तथा ऊर्जा सुरक्षा आदि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने आसियान और इससे जुड़े देशों के साथ काम करने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई जिससे कि शांति, समृद्धि और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने शांति पर अपने विचार रखते हुए महात्मा गांधी का हवाला देते हुए कहा, "शांति का कोई रास्ता नहीं है, केवल शांति है। रक्षा मंत्री ने स्थायी शांति और वैश्विक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए बातचीत और कूटनीति की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने दुनिया भर में भारत के इस संदेश की पुष्टि की, कि " यह युद्ध का युग नहीं है" और " हम बनाम वह" मानसिकता को छोड़ने की जरूरत पर बल दिया। श्री सिंह ने भारत–आसियान गतिविधियों विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में महिलाओं के लिए पहल और समुद्री प्लास्टिक प्रदूषण नियंत्रण में आसियान सदस्य देशों की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना की। उन्होंने गत मई में आयोजित पहले आसियान–भारत समुद्री अभ्यास के साथ–साथ मानवीय सहायता और आपदा राहत कार्यों पर विशेषज्ञ कार्य समूह में आसियान सदस्य देशों की सक्रिय भागीदारी की भी सराहना की। आतंकवाद को आसियान क्षेत्र सहित अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा करार देते हुए उन्होंने आतंकवाद से निपटने के लिए विशेषज्ञ कार्य समूह की सह–अध्यक्षता करने का प्रस्ताव रखा। इस प्रस्ताव का एडीएमएम–प्लस ने समर्थन किया क्योंकि आतंकवाद इस क्षेत्र के देशों के लिए एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है।

कान पकड़े... तो कभी माथे पर चिपकाया सिक्का, बच्चों संग मस्ती करते नजर आए पीएम मोदी

एजेन्सी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बच्चों से काफी लगाव है। जब भी उन्हें समय मिलता है तो वह बच्चों संग मस्ती करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ते। ऐसा ही एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें पीएम मोदी बच्चों को अपने सिर पर सिक्का चपका कर जादू करते हुए नजर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री के इस वीडियो को लोगों द्वारा खूब पसंद किया जा रहा है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा–मासूम बच्चों के साथ आनंद के कुछ पल! उनकी ऊर्जा और उत्साह मन को उत्साह से भर देते हैं। प्रधानमंत्री आवास पर पीएम मोदी ने एक परिवार से मुलाकात की थी। इस दौरान परिवार के साथ बच्चे भी मौजदू थे। पीएम मोदी ने मिलने आए बच्चों के साथ खूब मस्ती की। प्रधानमंत्री ने पहले दोनों बच्चों के कान पकड़कर हिलाया। इसके बाद एक सिक्के को सिर पर चिपका कर बच्चों को एक ट्रिक दिखाया। पीएम मोदी ने बच्चों से भी ऐसा करने को कहा। पीएम मोदी को अक्सर छोटे बच्चों के साथ इस छोटे से खेल का आनंद लेते देखा गया है।पीएम मोदी के इस वीडियो को बीजेपी ने भी अपने आधिकारिक हैंडल श्एक्सश पर पोस्ट किया है। कैप्शन में लिखा है– बच्चों के साथ बच्चे बन जाते हैं मोदी जी...। इस वीडियो को खबर लिखे जाने तक करीब 456.2के व्यूज मिल चुके हैं। इस वीडियो पर यूजर भी जमकर प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। रोहित सिन्हा नाम के एक यूजर ने लिखा–अपने देशवासियों को अपना प्यार देते हुए हमारे देश के सच्चे प्रधानसेवक, पीएम मोदी को बहुत–बहुत धन्यवाद। इससे पहले पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री आवास पर स्कूली बच्चों के साथ रक्षा बंधन मनाया। बच्चों ने मुस्कुराते हुए प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया और उन्हें पवित्र धागा बांधा। जैसे ही लड़कियों ने राखी बांधी, पीएम मोदी ने स्नेह भरी मुस्कान के साथ उनका स्वागत किया, उनसे बातचीत की और उनके नाम पूछे। एक मनमोहक क्षण में, जब पीएम मोदी झुककर उसे आशीर्वाद देने के लिए आगे बढ़े तो उनमें से एक लड़की ने उनके गाल पर चुम्बन किया।

मध्य प्रदेश में मतदाताओं को वोटर आईडी के अलावा 12 विकल्प

एजेन्सी

भोपाल। मध्य प्रदेश में निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं को मतदान के लिए बेहतर सुविधा मुहैया कराने की दिशा में कई अहम कदम उठाए हैं। जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में हैं और उन तक मतदाता पर्ची नहीं पहुंची है, वो वोटर आईडी के अलावा 12 विकल्पों के जरिए भी मतदान प्रक्रिया में हिस्सा ले सकते हैं। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, विधानसभा निर्वाचन 2023 में सभी मतदाताओं को क्यूआर कोड वाली मतदाता सूचना पर्ची वितरित की है। क्यूआर कोड वाली मतदाता सूचना पर्ची से मतदाता अपने मतदान केंद्र का क्रमांक, पता, निर्वाचक नामावली में क्रमांक राज्य और जिले का हेल्पलाइन नम्बर जैसी अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कर सकेंगे। यदि किसी मतदाता के पास मतदाता सूचना पर्ची नहीं है और उसका नाम मतदाता सूची में है, तो मतदान के लिए फोटोयुक्त वोटर आईडी कार्ड के अलावा 12 वैकल्पिक

फोटोयुक्त दस्तावेजों, आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पेन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटो सहित पेंशन दस्तावेज, केंद्र या राज्य सरकार या पीएसयू या सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंक या डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के तहत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, सांसदों या विधायकों या एमएलसी को जारी किए गए आधिकारिक पहचान पत्र और भारत सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजनों को जारी यूनिक डिसेबिलिटी आईडी कार्ड, में से कोई भी एक दस्तावेज दिखाकर 17 नवंबर को मतदान कर सकता है। अप्रवासी भारतीय मतदाताओं (एनआरआई) को केवल पहचान के लिए अपना मूल पासपोर्ट दिखाना होगा। फोटो ईपिक में किसी मतदाता के फोटोग्राफ आदि का मिलान न हो पाने से मतदाता की पहचान करना संभव नहीं है, तो उस मतदाता को उपरोक्त 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज दिखाना होगा।

आतिशी ने छठ घाट की तैयारियों का लिया जायजा

एजेन्सी

नयी दिल्ली। दिल्ली की राजस्व मंत्री आतिशी ने कहा कि छठ महापर्व के आयोजन में किसी भी प्रकार की कमी न आए इसके लिए केजरीवाल सरकार ने हर जरूरी कदम उठाते हुए पिछले आठ सालों से भव्यता से इसका आयोजन किया है। सुश्री आतिशी ने गुरुवार को बुराडी स्थित इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में छठ घाट का दौरा किया और वहाँ चल रही तैयारियों का जायजा लिया। इस मौके पर राजस्व मंत्री ने कहा कि दिल्ली में छठ महापर्व की तैयारियों में कोई कमी ना रहे इसी दिशा में सभी विधायक और विभाग जमीन पर काम कर रहे है। छठ महापर्व पूर्वांचलियों के लिए बहुत बड़ा त्यौहार, हर साल की तरह इस साल भी भव्यता से आयोजन के लिए हम युद्धस्तर पर काम कर रहे है। उन्होंने कहा "मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल मानते है कि पूर्वांचली दिल्ली का एक अभिन्न हिस्सा, दिल्ली की तरक्की विकास में पूर्वांचलियों का अहम योगदान है। ऐसे में हमारा प्रयास है कि,दिल्ली के हमारे पूर्वांचली भाई–बहन खुश्शी, सुकून और उल्लास के साथ छठ महापर्व मना सके। " उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि दिन–रात काम कर छठ घाट तैयार किए जाए ताकि आखिरी दिन के लिए कोई काम न बचे और श्रद्धालुओं को कोई परेशानी का सामना न करना पड़े।सुश्री आतिशी ने कहा कि छठ महापर्व पूर्वांचलियों के लिए बहुत बड़ा त्यौहार है। दिल्ली में छठ महापर्व के आयोजन में किसी भी प्रकार की कमी न आए इसके लिए केजरीवाल सरकार हर जरूरी कदम उठाते हुए पिछले आठ सालों से भव्यता से इस पर्व का आयोजन किया है। इस श्रृंखला में दिल्ली में इस साल केजरीवाल सरकार ने 1000 से अधिक छठ घाट तैयार किए है।

छत्तीसगढ़ चुनावः भाजपा उम्मीदवार की गाड़ी से बरामद हुए 11.50 लाख रुपए

एजेन्सी

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले की पुलिस ने बृहस्पतिवार को एक गांव में भाजपा उम्मीदवार के वाहन से कथित तौर पर 11.50 लाख रुपये नकद बरामद किये हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कोरबा जिले की पाली–तानाखार सीट से भाजपा उम्मीदवार रामदयाल उइके के वाहन से 11.50 लाख रुपए नकद बरामद किये गए हैं। इस दौरान उइके वाहन में मौजूद थे। कोरबा जिले के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला ने बताया कि कुछ स्थानीय ग्रामीणों ने पसान पुलिस थाना क्षेत्र (पाली–तानाखार निर्वाचन क्षेत्र) के तहत झुनकीड़ी गांव के पास उइके के वाहन (एक एसयूवी) को रोका और लगभग एक बजे पुलिस को इसकी सूचना दी। शुक्ला ने बताया कि सूचना के बाद पुलिस ने वाहन की तलाशी ली और 11.50 लाख रुपये नकद बरामद किए। उइके द्वारा नकदी के संबंध में दस्तावेज पेश करने में विफल रहने के बाद पुलिस ने नकदी और वाहन को जब्त कर लिया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में आगे की कार्रवाई की जा रही है। पाली–तानाखार उन 70 सीटों में से एक है जहां दूसरे चरण में शुक्रवार को मतदान होगा। राज्य की कुल 90 सीटों में से 20 सीटों पर सात नवंबर को पहले चरण का मतदान हुआ था। वरिष्ठ आदिवासी नेता उइके ने 2018 में हुए विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़ दी थी और भाजपा में चले गए थे। उइके 1998 में मरवाही सीट से भाजपा के टिकट पर विधायक चुने गए थे। 2000 में राज्य गठन के बाद जब अजीत जोगी ने पहले मुख्यमंत्री के रूप शपथ ली तब उइके ने जोगी के लिए मरवाही सीट खाली कर दी थी। बाद में जोगी इस सीट से विधायक चुने गए। उइके ने कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में 2003 में तानाखार (जो 2008 में परिसीमन के बाद पाली तानाखार बन गया) से तथा उसके बाद 2008 और 2013 में पाली तानाखार सीट से जीत हासिल की थी। बाद में वह 2018 में भाजपा में लौट गए और पाली–तानाखार से चुनाव लड़ा लेकिन कांग्रेस उम्मीदवार से हार गए। उइके को भाजपा ने पाली तानाखार से फिर से उम्मीदवार बनाया है, जहां कांग्रेस ने अपने मौजूदा विधायक को टिकट न देकर महिला उम्मीदवार दुलेश्वरी सिदार को मैदान में उतारा है।

बिहार में सूर्योपासना का महापर्व छठ कल से शुरू

एजेन्सी

पटना। बिहार में लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व कार्तिक छठ कल से नहाय–खाय के साथ शुरू हो जाएगा। सूर्योपासना के इस पवित्र चार दिवसीय महापर्व के पहले दिन छठव्रती श्रद्धालु नर–नारी अंतःकरण की शुद्धि के लिए कल नहाय–खाय के संकल्प के साथ नदियों–तालाबों के निर्मल एवं स्वच्छ जल में स्नान करने के बाद शुद्ध घी में बना अरवा भोजन ग्रहण कर इस व्रत को शुरू करेंगे। श्रद्धालुओं ने आज से ही पर्व के लिए तैयारियां शुरू कर दी है। महापर्व के दूसरे दिन श्रद्धालु दिन भर बिना जलग्रहण किये उपवास रखने के बाद सूर्यास्त होने पर पूजा करते हैं और उसके बाद एक बार ही दूध और गुड़ से बनी खीर खाते हैं तथा जब तक चांद नजर आये तब तक पानी पीते हैं। इसके बाद से उनका करीब 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू होता है। लोक आस्था के इस महापर्व के तीसरे दिन व्रतधारी अस्ताचलगामी सूर्य को नदी और तालाब में खड़े होकर प्रथम अर्घ्य अर्पित करते हैं। व्रतधारी डूबते हुए सूर्य को फल और कंदमूल से अर्घ्य अर्पित करते हैं। महापर्व के चौथे और अंतिम दिन फिर से नदियों और तालाबों में व्रतधारी उदीयमान सूर्य को दूसरा अर्घ्य देते हैं । भगवान भाष्कर को दूसरा अर्घ्य अर्पित करने के बाद ही श्रद्धालुओं का 36 घंटे का

निर्जला व्रत समाप्त होता है और वे अन्न ग्रहण करते हैं।परिवार की सुख–समृद्धि तथा कष्टों के निवारण के लिए किये जाने वाले इस व्रत की एक खासियत यह भी है कि इस पर्व को करने के लिए किसी पुरोहित (पंडित) की आवश्यकता नहीं होती है और न ही मंत्रोचारण की कोई जरूरत है।

दबंगों ने महिला को पीटा और किया तोड़फोड़, 5 लाख से भरा सूटकेस लुटा,फिर घर में लगाया आग उपचार के दौरान महिला की मौत।

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के सिद्दीकपुर गांव निवासी दयाराम सोनकर पुत्र बसन्तु सोनकर के घर दबंगों ने वृद्ध महिला के ऊपर हमला किया और घर में रखा सामान को तहस–नस कर दिया अलमारी में रखा सूटकेस जिसमें 5 लाख रुपए था, उसको दबंगों ने हथिया लिया। उसके बाद घर के अंदर और बाहर सभी सामान को तोड़ फोड़ दिया फिर कागजात और सामान को आगे के हवाले कर दिया।

बतादे कि गुरुवार दोपहर 2:30 बजे दयाराम सोनकर का पड़ोसी दबंग ने खेत में घास काट रही महिला सावित्री पत्नी सुबाष उम्र 42 वर्ष निवासी सिद्दीकपुर थाना

सराय खध्वाज को मारने लगा सावित्री अपना जान बचाकर घर में भागी लेकिन दबंगों ने घर में घुस गए और सावित्री के ऊपर प्राणघात हमला कर दिया। सोरगुल होने पर सभी भाग गए। इसकी सूचना पीड़ित ने सरायख्वाजा थाना पर दिया तब थाने से क्षेत्रीय दरोगा घटनास्थल पर शाम 6:00 बजे आए। दरोगा ने स्थिति सामान्य देखकर वापस थाना पर जैसे ही पहुंचे ही थे। कि घात लगाकर बैठे दबंगों ने शाम 7 बजे पुनः घर पर आए। घर मे रखा सारा सामान, गाड़ी, फ्रिज और दरवाजा आदि को क्षतिग्रस्त करके घर में रखा 5 लाख से भरा हुआ सुटकेश को लेकर के घर में आग लगा दिया। इसकी सूचना जब पीड़ित परिवार को हुआ तो राहुल और रामअजोर इसका विरोध करने पहुँचे तो दबंगों ने राहुल और रामअजोर को पीटकर घायल कर दिया। उधर गम्भीर रूप से घायल सावित्री पत्नी सुबाष का ड्रामा सेंटर उपचार चल रहा था। पीड़ित दयाराम सोनकर ने पूर्व समाजवादी पार्टी के मंत्री जगदीश सोनकर सहित 20 लोगों के नाम तहरीर दिया है। अपराध निरीक्षक शेषनाथ शुक्ला ने बताया कि आरोपियों की खोजबीन चल रही है जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।पीड़ित दयाराम सोनकर का कहना है कि अगर पुलिस प्रशासन इस बात को पहले ही संज्ञान में लिया होता तो, आज ऐसी घटना नहीं होती और भविष्य में हमारी भी हत्या हो सकती है । क्योंकि प्रशासन इसी तरह की रवैया रही तो इससे बड़े घटना का अंजाम अर्थात हमारी हत्या हो सकती है। इस घटना से मेरा पूरा परिवार भयभीत है। खबर लिखे जाने तक ड्रामा सेंटर में चल रहे उपचार सावित्री पत्नी सुभाष का चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया यह खबर सुनते ही परिवार में मातम छा गया।

दिसंबर के अंत में होगा हिमाचल विधानसभा का शीतकालीन सत्र

एजेन्सी

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र धर्मशाला में होना है। हिमाचल प्रदेश विधानसभा शीतकालीन सत्र के लिए पूरी तरह से तैयार है। प्रदेश सरकार की ओर से शीतकालीन सत्र करवाने के लिए दो प्रस्ताव विधानसभा सचिवालय को भेजे गए हैं। यह बात विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप पठानिया ने कही है। श्री पठानिया ने कहा कि शीतकालीन सत्र करवाने को लेकर सरकार की तरफ से दो प्रस्ताव आए हैं।

हिमाचल प्रदेश विधानसभा सचिवालय शीतकालीन सत्र करवाने के लिए पूरी तरह से तैयार है।हिमाचल प्रदेश विधानसभा शीतकालीन सत्र को करवाने के लिए दो प्रस्ताव आए जिनकी तिथियां 11 से 17 दिसंबर और दूसरा 18 दिसंबर से 25 दिसंबर का जिक्र किया गया है। अब प्रदेश सरकार की मर्जी है कि वह कब हिमाचल प्रदेश विधानसभा शीतकालीन सत्र को करवाना चाहती है। उन्होंने कहा कि शीतकालीन सत्र का आयोजन कैलेंडर वर्ष में ही करवाना होता है।

कांग्रेस ने पीएमजीकेएवाई योजना को एक साल के लिए बढ़ाए जाने पर उठाए सवाल

एजेन्सी

नयी दिल्ली। केंद्र द्वारा यह कहने के एक दिन बाद कि उसने पीएमजीकेएवाई योजना को एक साल के लिए बढ़ा दिया है, कांग्रेस ने गुरुवार को सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4 नवंबर को इसे पांच साल के लिए बढ़ाने की घोषणा की थी।उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि केंद्र सरकार, गरीब लाभार्थियों के वित्तीय बोझ को दूर करने और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (2013) की राष्ट्रव्यापी एकरूपता और प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए, 1 जनवरी, 2023 से शुरू होने वाली एक वर्ष की अवधि के लिए, प्रधान मंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) परिवारों और प्राथमिकता वाले परिवारों (पीएचएच) लाभार्थियों को मुफ्त खाद्यान्न प्रदान कर रहा है। सरकार पर तंज करते हुए, कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहारू "4 नवंबर को छत्तीसगढ़ चुनाव अभियान के दौरान, प्रधान मंत्री ने घोषणा की कि प्रधान मंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 को अगले 5 वर्षों के लिए बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा,"लेकिन कल शाम, मोदी सरकार की एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में उल्लेख किया गया है कि पीएमजीकेएवाई को 1 जनवरी, 2023 से शुरू होने वाले वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया है, इसमें प्रधान मंत्री द्वारा घोषित विस्तार का कोई संदर्भ नहीं है।कांग्रेस नेता ने आश्चर्य जताते हुए कहा, "तो वास्तव में क्या हो रहा है? प्रधानमंत्री की घोषणा उनकी सरकार के प्रेस नोट में क्यों नहीं दिखती? गौरतलब है।

भाजपा उम्मीदवार की पत्नी ने बांटे नोट, मामला दर्ज

एजेन्सी /छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के बड़ा मलैहरा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे भाजपा उम्मीदवार प्रद्युम्न सिंह लोधी की पत्नी के खिलाफ मतदाताओं को नोट बांटने का आरोप लगा है और पुलिस ने मामला भी दर्ज कर लिया है।

सम्पादकीय

इजराइल और युद्ध अपराध

इजराइल और युद्ध के 39वें दिन गाजा में हमास की संसद पर इजराइली सेना ने कब्जा कर लिया है और वहां अपना झंडा भी फहरा दिया है। हमास के पास ऐसी कोई ताकत नहीं है जो इजराइली सेना आईडीएफ को रोक सके। गाजा में चारों तरफ अराजकता का माहौल है। नागरिक हमास के ठिकानों को लूट रहे हैं। हमास के लड़ाके घ्दक्षिण की ओर भाग रहे हैं। युद्ध में अब तक 11 हजार से ज्यादा फिलस्तीनी नागरिक मारे जा चुके हैं। जबकि 1400 के लगभग इजराइली मारे जा चुके हैं। गाजा के नागरिकों का अब हमास की सरकार में कोई विश्वास नहीं रहा है। हमास की संसद यानि फिलस्तीनी विधान परिषद 2007 से हमास के नियंत्रण में था जिसमें अब इजराइली सैनिक बैठे हुए हैं। कुछ दिन पहले इजराइल ने कहा थाध क गाजा को दो हिस्सों उत्तर और दक्षिण में बांट दिया गया है। उत्तर गाजा की सड़कों पर दर्जनों शव पड़े हुए हैं। अस्पतालों को भी इजराइल ने निशाना बनाया है। ऊल–कुदस अस्पताल और ऊल–शिफा अस्पताल में हमलों के चलते मासूम बच्चे मारे गए हैं। अस्पताल कब्रगाह बन चुके हैं। इजराइल का आरोप है कि इन अस्पतालों के नीचे हमास के लड़ाकों का कमान सैंटर है। इजराइल का कहना है कि वह आरपार की लड़ाई लड़ रहा है और वह बंधकों की सुरक्षित रिहाई तक युद्ध जारी रखेगा। ऐसी खबरें भी आ रही हैं कि हमास इजराइली बंधकों की रिहाई के लिए तैयार हो गया है। इजराइली हमलों में मारे गए 4500 बच्चों को लेकर कोहराम मचा हुआ है। यह साफ है कि युद्ध में मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन हुआ है। इजराइल की बदले की कार्रवाई से ज्यादातर लोग निर्दोष आम फिलस्तीनी नागरिक हैं। यह युद्ध पहले की लड़ाइयों से अलग है। यह युद्ध ऐसे वक्त में छिड़ा है जब मध्यपूर्व को विभाजित करने वाली रेखाओं के टूटने की गूंज सुनाई दे रही है। पिछले दो दशकों में घ्बिखरे हुए मध्यपूर्व के राजनीतिक परिदृश्य में सबसे गम्भीर विभाजन ईरान के मित्र देशों और अमेरिका के सहयोगी देशों के बीच देखा गया है। अक्सर 'प्रतिरोध की धुरी' कहे जाने वाले 'ईरानी नेटवर्क' में लेबनान का हिजबुल्लाह, सीरिया की बशर अल–असद हुकूमत, यमन के हुथी विद्रोही और इराकी मिलिशिया शामिल हैं. इराकी मिलिशिया को ट्रेनिंग और हथियार दोनों ही ईरान से मिले हैं। ईरान गाजा पट्टी में हमास और फिलस्तीन इस्लामी जिहाद का भी पुरजोर समर्थन करता है। दूसरी ओर, ईरान रूस और चीन से भी अपनी नजदीकियां बढ़ा रहा है। यूक्रेन में चल रहे रूस के युद्ध में ईरान एक महत्वपूर्ण भागीदार बन गया है। चीन ईरान से बड़ी मात्रा में तेल खरीदता है। जब तक गाजा में युद्ध जारी रहेगा, और जब तक इजराइल फिलस्तीनी लोगों को मारना और उनके घरों को बर्बाद करना जारी रखेगा, तब तक दोनों पक्षों के और अधिक सदस्यों के संघर्ष में शामिल होने का जोखिम बना रहेगा। इजराइल और लेबनान की सीमा पर धीरे–धीरे तनाव बढ़ता जा रहा है। न तो इजराइल और न ही हिजबुल्लाह आर–पार की लड़ाई चाहते हैं। मध्यपूर्व के तेल सम्पदा वाले देश मिस्त्र, जार्डन अमेरिका के साथ हैं। गाजा हमले के खिलाफ सऊदी अरब के रियाद में मुस्लिम देशों के नेताओं की बैठक में तुरंत संघर्ष विराम और फिलस्तीनी मुद्दे के समाध ान की मांग की गई। सऊदी अरब के प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों को लागू करने में दोहरे मानदंडों का मुद्दा उठाते हुए पश्चिमी देशों की खामोशी की आलोचना की। लेकिन जब ईरानी राष्ट्रपति और कुछ अन्य देशों ने इजराइल और उसके सहयोगी देशों को तेल की सप्लाई रोकने तथा आर्थिक और राजनयिक संबंध तोड़ने का प्रस्ताव रखा है तो इस प्रस्ताव का विरोध भी हुआ। इसका अर्थ यही है कि मुस्लिम देश भी एकमत नहीं थे। संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन समेत कुछ देशों ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन ने 2020 में इजराइल के साथ राजनयिक संबंध बहाल किए थे। अरब लीग के कुछ देश ऐसे हैं जिनके इजराइल के साथ आर्थिक संबंध हैं। ऐसे में इस्लामी देश इजराइल पर कोई भी दबाव बनाने में विफल रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इजराइल गाजा पर पूरी तरह से कब्जा करना चाहता है। जून 1967 के युद्ध में पश्चिमी किनारे, पूर्वी यरुशलम और सीरिया की गोलान की पहाड़ियों के साथ–साथ गाजा पर इजराइली फौज के कब्जे के साथ यह पट्टी इजराइल के लिए सुरक्षा की समस्या बन गई है। अब फिर गाजा में रहने वाले लाखों लोग शरणार्थी बन चुके हैं। यह स्पष्ट है कि बहुत बड़ी मानवीय त्रास्दी पैदा हो चुकी है। बड़ी संख्या में शवों को दफनाने के लिए जमीन में गड्ढे खोदे जा रहे हैं। बेघर हुए लाखों लोगों के पुनर्वास के लिए कोई पहल नहीं की जा रही। इन लोगों कोध फिर से बसाने के लिए कौन पहल करेगा। खतरनाक हो चुकी जंग में युद्ध अपराध हो रहे हैं। 1939 से 1945 तक दूसरा विश्व युद्ध हुआ। इस युद्ध में साढ़े पांच करोड़ से ज्यादा लोग मारे गए। इस विश्व युद्ध में पहले परमाणु बम का इस्तेमाल घ्हुआ। ऐसी तबाही फिर न हो इसे रोकने केध लिए 1949 में जेनेवा सम्मेलन में युद्ध के नियम बनाए गए। इसमें तय किया गया कि युद्ध के दौरान आम नागरिकों को निशाना नहीं बनाया जा सकता। रिहायशी इलाकों, स्कूलों, कालेजों और अस्पतालों को निशाना नहीं बनाया जा सकता। आम नागरिकों के लिए बनाए गए कैम्पों पर भी हमला नहीं किया जा सकता लेकिन इजराइल ने सभी सीमाएं तड़ दी हैं और मानवता कराह रही है।

सरकारी दावों के विपरीत

अगर आम जन की वास्तविक आय नहीं बढ़ती है, तो उनका उपभोग घटता है, जिसका असर बाजार में मांग पर पड़ता है और अंततरू यह स्थिति कारोबार जगत को प्रभावित करती है। अब ऐसा होने के साफ संकेत मिल रहे हैं। भारत में आर्थिक वृद्धि दर के लाभ आम जन तक नहीं पहुंच रहे हैं, इस बारे में तो पहले से पर्याप्त आंकड़े मौजूद रहे हैं। लेकिन अब व्यापार जगत का कारोबार भी मद्धम हो चला है, यह रोज–ब–रोज जाहिर हो रहा है। वैसे देखा जाए, तो इन दोनों परिघटनाओं में सीधा संबंध है। अगर आम जन की वास्तविक आय नहीं बढ़ती है, तो उनका उपभोग घटता है, जिसका असर बाजार में मांग पर पड़ता है और अंततरू यह स्थिति कारोबार जगत को प्रभावित करती है। अब ऐसा होने के साफ संकेत मिल रहे हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट– अहमदाबाद की ताजा बिजनेस इन्फ्लेशन एक्सपेक्टेशन सर्वे (बीआईईएस) रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय कंपनियों की बिक्री और मुनाफे की स्थिति मद्धम बनी हुई है। सर्वे में शामिल 56 फीसदी कंपनियों ने बताया कि बीते सितंबर में उनकी बिक्री सामान्य से काफी कम अथवा कुछ कम रही। अगस्त में ऐसा कहने वाली कंपनियों की संख्या 52 प्रतिशत थी। इसी तरह आगे बिक्री सामान्य या सामान्य से अधिक होने की आशा रखने वाली कंपनियों की संख्या में अगस्त की तुलना में तीन प्रतिशत की गिरावट देखी गई। यह स्थिति तब है, जब कंपनियों पर लागत में वृद्धि का दबाव नहीं बढ़ रहा है। जाहिर है, कंपनियों की बिक्री इसलिए नहीं बढ़ रही है, क्योंकि उपभोक्ताओं की क्रय–शक्ति घटती चली गई है। इस ट्रेंड की पुष्टि एक बिजनेस अखबार की एक रिपोर्ट से भी होती है, जिसमें बताया गया है कि पिछली दो तिमाहियों में कॉरपोरेट सेक्टर के मुनाफे में भारी बढ़ोतरी हुई है, लेकिन बिक्री से होने वाली उन कंपनियों की आय घट गई है। स्पष्टतरू यह मुनाफा शेयर बाजार से हुआ है। यानी अब शेयर बाजार का एक अलग गतिशास्त्र बन गया है, जिसका परंपरागत अर्थ में जिसे अर्थव्यवस्था समझा जाता है, उससे संबंध बेहद कमजोर हो चुका है।

बिहार की राजनीति में नया कुछ भी नहीं

अजीत द्विवेदी

जाति गणना के आंकड़े आने और आरक्षण की सीमा बढ़ाने के बिहार सरकार के फैसले के बाद हर तरफ यह सुनने को मिल रहा है कि नीतीश कुमार और लालू प्रसाद ने राजनीति की दिशा बदल दी है। ऐसा लग रहा है जैसे इन दोनों नेताओं ने कोई नई राजनीति की है। लेकिन असल में इस राजनीति में कुछ भी नया नहीं है। पिछले 50 साल से ज्यादा समय से बिहार में यही राजनीति हो रही है और कुछ हद तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मंडल राजनीति से मजबूत हुए अन्य पिछड़ी जाति के नेताओं की कृपा से पूरे देश में भी यही राजनीति चल रही है। हर नेता सोशल इंजीनियरिंग करता हुआ है और आरक्षण को चुनाव जीतने का रामबाण नुस्खा मान कर किसी न किसी तरह उसका इस्तेमाल करने की वकालत कर रहा है। कांग्रेस, राजद, जदयू आदि के नेता आरक्षण की सीमा बढ़ा रहे हैं या बढ़ाने का दावा कर रहे हैं तो भाजपा के नेता मौजूदा आरक्षण का वर्गीकरण करके पिछड़ों में अति पिछड़ों और दलितों और अत्यंत दलितों को अतिरिक्त आरक्षण देने का दांव चल रहे हैं। तभी सोचें कि इस राजनीति में क्या नया है?

इसका जवाब खोजते–खोजते वर्तमान हिंदी कविता के सबसे चमकदार नक्षत्र कुमार विश्वास का ध्यान आता है। उन्होंने कोई 20 साल पहले एक कविता लिखी, श्कोई दीवाना कहता है, कोई पागल समझता हैच, जो कि बेहद मशहूर हुई। उसके बाद से वे थोड़े थोड़े अंतराल पर इसी कविता में कुछ नई पंक्तियां जोड़ते चलते हैं। उन्होंने

कुछ अन्य कविताएं भी लिखीं लेकिन उनको वह लोकप्रियता नहीं मिली, जो उनकी इस कविता को मिली। इसलिए नई कविता लिखने, नए प्रयोग करने की बजाय वे अपनी पुरानी और मशहूर कविता में नई पंक्तियां जोड़ते जाते हैं। उसी तरह बिहार में राजद और जदयू के नेताओं ने कुछ और राजनीति भी आजमाई लेकिन उसमें कामयाबी नहीं मिली या कामयाबी मिलने की संभावना नहीं दिखी तो फिर से पुरानी और सफल रही राजनीति में नई लाइनें जोडनी शुरू कर दीं। लालू प्रसाद और नीतीश कुमार अब भी वही राजनीति कर रहे हैं, जिसके दम पर दोनों सफल हुए, मुख्यमंत्री बने और पिछले 33 साल से बिहार की सत्ता पर काबिज हैं।

असल में यह राजनीति सत्तर के दशक से ही चल रही है। कर्पूरी ठाकुर के मुख्यमंत्री बनने के समय पिछड़ा और अति पिछड़ा का वर्गीकरण करके उनके लिए क्रमशरू आठ और 12 फीसदी आरक्षण का प्रावध ान किया गया था। बाद में पिछड़ी जातियों का आरक्षण 12 फीसदी और अत्यंत पिछड़ी जातियों का 18 फीसदी कर दिया गया था, जिसे अब फिर से बढ़ाने की घोषणा की गई है। लालू प्रसाद और नीतीश कुमार की जो कथित नई राजनीति है उसके तहत पिछड़ी जातियों को 18 फीसदी और अत्यंत पिछड़ी जातियों को 25 फीसदी आरक्षण दिया जाएगा। राज्य की नीतीश कुमार सरकार ने ऐसा करने के लिए जाति गणना को आधार बनाया है, जिसके तहत पिछड़ी जातियों की आबादी 27 फीसदी और अत्यंत पिछड़ी जातियों की आबादी 36 फीसदी बताई गई है। इसमें मुस्लिम समाज की पिछड़ी जातियां भी शामिल हैं। सो, कह सकते हैं कि बिहार में कर्पूरी ठाकुर से लेकर नीतीश कुमार तक इतनी तरक्की हुई है कि पिछड़ी जातियों का आरक्षण आठ से बढ़ा कर 18 फीसदी किया जा रहा है और अत्यंत पिछड़ी जातियों का आरक्षण 12 से बढ़ा कर 25 फीसदी किया जा रहा है!

सोचें, इसको नई राजनीति कैसे कह सकते हैं? यह नई बोतल में पुरानी शराब जैसी है, फर्क इतना है कि इस बार बोतल बड़ी कर दी गई है। याद करें 2015 के बिहार विध ानसभा चुनाव में जब लालू प्रसाद और नीतीश कुमार एक साथ आए थे तब उन्होंने क्या राजनीति की थी? तब भी आरक्षण ही केंद्रीय मुद्दा था। असल में चुनाव से पहले राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने आरक्षण की समीक्षा का एक बयान दे दिया था, जिसे बिहार की दोनों प्रादेशिक पार्टियों के नेताओं ने मुद्दा बना दिया। हालांकि ऐसा नहीं था कि मोहन भागवत बयान नहीं देते तो दोनों पार्टियां विकास, उद्योग, शिक्षा या स्वास्थ्य के मुद्दे पर चुनाव लडने जा रही थीं। दोनों तब भी जातिगत आरक्षण के मुद्दे पर ही चुनाव लड़तीं। उस चुनाव के 10 साल बाद 2025 फिर से दोनों पार्टियां साथ मिल कर विधानसभा का चुनाव लड़ेंगी तब भी उनके पास कोई दूसरा मुद्दा या एजेंडा नहीं है। वे उसी मुद्दे पर लडने जा रही हैं, जिस पर 2015 में लड़ा था या 1990 में लड़ा था। हालांकि इसका यह मतलब नहीं है कि पहले इस मुद्दे पर लड़ चुके हैं तो इस बार लडने पर इसका फायदा नहीं मिलेगा। यह कोई काठ की हांडी जैसी नहीं है कि दोबारा चूल्हे पर नहीं चढ़ा सकते। बिहार की जनता हो सकता है कि फिर से इस मुद्दे पर मतदान करे और मंडल के मसीहाओं को चुनाव जिताए।

लालू प्रसाद और नीतीश कुमार को इस मुद्दे पर कितना भरोसा है इसका अंदाजा इस बात से भी लगा सकते हैं कि दोनों ने 33 साल के अपने शासन की पोल खोलने वाले सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण के आंकड़े भी जनता के सामने पेश कर दिए हैं। खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधानसभा में इसके आंकड़े पेश किए और बताया कि बिहार के एक तिहाई से ज्यादा करीब 34 फीसदी परिवार ऐसे हैं, जिनकी मासिक कमाई छह हजार रुपए से कम है। सोचें, अगर पांच लोगों का एक परिवार है तो हर व्यक्ति की मासिक कमाई 12 सौ रुपए यानी 40 रुपए रोज से कम है। राज्य में सिर्फ सात फीसदी आबादी ग्रेजुएट है और महज पांच फीसदी लोगों के पास किसी तरह का मोटराइज्ड वाहन है। सिर्फ पांच फीसदी लोग सरकारी या निजी नौकरी में हैं और 17 फीसदी मजदूरी करते हैं। सिर्फ सात फीसदी लोग कृषि कार्य करते हैं और 67 फीसदी आबादी की एक श्रेणी है, जिसे राज्य सरकार ने गृहिणी व विद्यार्थी कहा है। यानी इनके पास आय उपार्जित करने का कोई काम नहीं है।

सोचें, बिहार की भयावह गरीबी व बदहाली की तस्वीर दिखाने वाली इस रिपोर्ट को पेश करने के बाद भी सरकार चला रही दोनों पार्टियां विकास का कोई एजेंडा पेश करने और अगले 25 साल के विकास का कोई रोडमैप बना कर लोगों के सामने रखने की बजाय यह कहा कि सरकार आरक्षण बढ़ा कर 75 फीसदी करेगी। सवाल है कि बिहार की 13 करोड़ आबादी में से सिर्फ 60 लाख लोगों के पास नौकरी है, जिसमें से कुछ लोगों के पास सरकारी नौकरी है और बाकी संगठित या असंगठित क्षेत्र की निजी नौकरी करते हैं वहां आरक्षण की सीमा बढ़ा देने से कितनी आबादी को क्या हासिल हो जाएगा? अगर रोजगार के अवसर नहीं बढ़ाए जाते हैं या रोजगार आधारित विकास का मॉडल नहीं बनता है तो आरक्षण बढ़ाने से क्या होगा? लेकिन ऐसा लगता है कि इससे बिहार की जनता को भी कोई फर्क नहीं पड़ता है। वह जाति गणना और आरक्षण बढ़ाने के प्रतीकात्मक व भावनात्मक मुद्दे को ही जीवन का सार समझ कर अपना कीमती वोट दे सकती है। दुर्भाग्य से यही राजनीति पूरे देश में हो रही है और लगभग सभी पार्टियां कर रही हैं।

वोट की कोई कीमत नहीं !

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विध ानसभा चुनावों के लिए अब चुनाव प्रचार बन्द हो चुका है। 17 नवम्बर को छत्तीसगढ़ की शेष 70 सीटों व मध्य प्रदेश की सभी 230 सीटों के लिए इन राज्यों के मतदाता अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल करके अपनी मनमाफिक राजनैतिक दल की सरकार का गठन करेंगे। दोनों ही राज्यों में असली मुकाबला कांग्रेस व भाजपा के बीच हो रहा है और शेष सभी छोटी–मोटी पार्टियों को 'वोट कटुआ' माना जा रहा है। चुनावों में मतदाता जिस वोट के अधिकार का प्रयोग करते हैं वह स्वतन्त्रता संग्राम के महानायक महात्मा गांधी द्वारा उन्हें दिया गया बेशकीमती अहिंसक हथियार है जिस पर भारत का पूरा लोकतन्त्र टिका हुआ है। मगर वोट का अधिकार इस देश के लोगों को अपनी पुरानी पीढिघ्यों की कुर्बानी देने के बाद मिला है क्योंकि उन्होंने न केवल भारत की आजादी की लड़ाई लड़ी थी बल्कि आम भारतीय के स्वाभिमान और नागरिक सम्मान की लड़ाई भी लड़ी थी। महात्मा गांध ी ने 1934 में ही घोषणा कर दी थी कि स्वतन्त्र भारत में इसके प्रत्येक वयस्क स्त्री–पुरुष नागरिक को एक वोट का अधिकार देकर संसदीय प्रणाली का लोकतन्त्र अपनाया जायेगा। इससे पहले पं. मोती लाल नेहरू की सदारत में कांग्रेस पार्टी की गठित संविधान समिति ने अपनी रिपोर्ट में साफ कर दिया था कि भारत में राज्यों के संघीय ढांचे के तहत प्रदेशों व केन्द्र के अधिकार अलग–अलग होंगे और इनकी सरकारों का गठन हर पांच साल के लिए प्रत्येक अमीर–गरीब, हिन्दू–मुसलमान, मजदूर–पूंजीपति, शिक्षित–अनपढ़ वयस्क को एक वोट का अधिकार देकर चुनावों के जरिये किया जायेगा। इस मोतीलाल कमेटी में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस व मौलाना आजाद भी शामिल थे। मगर 1935 में जब हिन्दोस्तान की हुकूमत पर काबिज ब्रिटिश सरकार ने नया भारत सरकार कानून बनाया और 11 एसेम्बलियों के चुनाव कराने की बात कही तो उसमें वोट का अधिकार केवल जमींदारों, साहूकारों, आयकरदाताओं व उच्च शिक्षित लोगों को दिया गया। यह संख्या उस समय बामुश्किल दस प्रतिशत से कुछ अधिक बैठती थी। परन्तु जब 1946 में भारत का संविधान लिखा जाना शुरू हुआ तो इसमें मोती लाल कमेटी की लगभग सभी प्रमुख सिफारिशों का समावेश हुआ। संविध ान लिखने वाले डा. बाबा साहेब अम्बेडकर ने गांधी का आशीर्वाद लेकर ही संविधान लिखा, हालांकि उनके कुछ वैचारिक मतभेद अपनी जगह पर थे, मगर बाबा साहेब गांधी जी के इस सिद्धान्त से पूरी तरह सहमत थे कि भारतीय लोकतन्त्र में एक राजा–महाराजा को जो राजनैतिक अधिकार मिले वह किसी रिक्शा खींचने वाले और खेत में मजदूरी करने वाले व्यक्ति के बराबर ही हो। अतः भारतीय संविधान में एक समान मताध िकार का कानून बनाया गया और सदियों से साहूकारों व महाजनों और राजा–महाराजाओं के शासन में गुलामों की तरह जीवन जीने वाले लोगों को नये भारत का 'राजा' वोट के अधि ाकार के माध्यम से बनाया गया। अतः भारत के लोगों को मिले इस एक वोट की कोई कीमत नहीं आंकी जा सकती। मगर भारत चूंकि विभिन्न धर्मों को मानने वालों व विभिन्न जातियों व संस्कृतियों और क्षेत्रों में बंटा देश है अतः चुनाव लड़ रहे विभिन्न राजनैतिक दल मतदाताओं की धार्मिक व जातिगत आदि की सामाजिक पहचान को आगे रख कर वोटों की गोलबन्दी करने के प्रयास करते हैं जबकि सजग लोकतन्त्र व्यक्तिगत रूप से मतदाता के सशक्तिकरण की बात करते हुए राष्ट्र को मजबूत बनाने की बात करता है और यह काम हर चुनाव में मतदाता अपनी स्थिति में आये बदलाव का जायजा लेकर कर सकता है। इसके लिए उसे सत्ता पर पिछले पांच साल से काबिज रही पार्टी की सरकार के कामों का आकलन करके करना पड़ता है। इसका मूलभूत पैमाना शिक्षा, गरीबी का स्तर, महंगाई, रोजगार, स्वास्थ्य व उसकी आमदनी में आनुपातिक इजाफा होता है। हम देख रहे हैं कि पिछले एक महीने से इन दो राज्यों समेत कुल पांच राज्यों में राजनैतिक घमासान चल रहा है और भाजपा व कांग्रेस के नेता अपना–अपना विमर्श खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। मगर अब चुनाव प्रचार बन्द हो चुका है और जनता मन बना चुकी है कि उसे किस पार्टी को जिताना है और किस को हराना है। चुनावों में हार–जीत का भी सिद्धान्त होता है कि जिस पार्टी का भी चुनावी विमर्श लोगों को पसन्द आता है वही पार्टी जीत जाती है। मगर ऐसा करने के लिए जरूरी होता है कि अधिक से अधिक संख्या में लोग अपने वोट का इस्तेमाल करने के लिए मतदान केन्द्र तक जायें। अतः हम इन राज्यों की जनता से केवल यही अपील कर सकते हैं कि वे अधिक से अधिक संख्या में मतदान करें। इस मामले में भी हमारे देश के गांव बहुत आगे रहते हैं जहां मतदान का प्रतिशत शुरू से ही शहरों के मुकाबले अधिक रहता आया है।

कैसे बरकरार रहे लोकतंत्र की शोभा

हमसे लड़ने की हिम्मत तो जुटा लोगे लेकिन कमीनापन कहां से लाओगे? फौजियों का गोश्त कौवों को खिलायेंगे। फिल्म चाइना गेट के ये संवाद है। जिन्हें फिल्म में जगीरा का किरदार निभाने वाले अभिनेता मुकेश तिवारी ने भाजपा प्रत्याशी कैलाश विजयवर्गीय की चुनावी सभा में सुनाया। इस पर सभा में उपस्थित लोगों ने तो तालियां बजाई ही, खुद भाजपा प्रत्याशी भी इस पर ताली बजाते दिखे। फिल्म में जिस पृष्ठभूमि में ये संवाद बोले गए, वो अलग बात है, मगर चुनाव प्रचार में इन संवादों के बोले जाने पर सियासी बखेड़ा खड़ा हो गया है। कांग्रेस ने इन संवादों पर सवाल उठाए और कहा कि इन गुणों की हमें जरूरत नहीं, ये भाजपा को ही मुबारक। तो भाजपा ने पलटवार कर दिया कि अब कांग्रेस फिल्मी संवाद में भी राजनीति तलाश रही है। भाजपा और कांग्रेस के तर्कों में कौन सही है और कौन गलत, ये तय करने का काम चुनाव आयोग का है, बशर्ते ये मामला आयोग तक पहुंचे। इतना जरूर है कि अगर किसी और मंच या मौके पर इन संवादों पर कोई आपत्ति नहीं करता। मगर चुनाव के दौरान खास तौर पर ये कहना कि हमसे लड़ने की हिम्मत तो जुटा लोगे, लेकिन कमीनापन कहां से लाओगे, निश्चित ही अशोभनीय लग रहा है। चुनाव प्रचार में लोकतंत्र की शोभा बनी रहे, यह जिम्मेदारी चुनाव आयोग की है। कड़वी सच्चाई है कि सत्ता हासिल करने के लिए शातिर चालें चली जाएंगी, हथकंडे अपनाए जाएंगे, वोट हासिल करने के लिए साम–दाम–दंड–भेद सभी तरीकों का इस्तेमाल भी होगा। अगर ये मान लिया जाए कि सभी उम्मीदवार नैतिकता की मिसालें कायम करते हुए पूरी ईमानदारी से चुनाव लड़ेंगे तो यह खुद को धोखा देने वाली बात है। हकीकत यही है कि चुनाव में जहां मौका मिलेगा, वहां बेईमानी होगी, चाहे वो किसी भी तरह की हो। इसलिए देश में निर्वाचन आयोग की व्यवस्था की गई है, उसे हर तरह के राजनैतिक दबाव से मुक्त रखा गया है, ताकि निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव हो सकें। चुनाव में होने वाली बेईमानियों पर अंकुश लग सके। अफसोस है कि निर्वाचन आयोग से लोकतांत्रिक देश के नागरिकों को जो उम्मीदें थीं, वो उन पर खरा नहीं उतर पा रहा है। देश की जांच एजेंसियों से भी ऐसी ही निराशा हाथ लगी है। ऐसा लग रहा है मानो इन सबकी डोर एक ही जगह बंधी है और वहीं से सारे खेल खेले जा रहे हैं। इन डोरियों से बंध ी संस्थाओं में कब किसको किस मौके पर उठाना है, कितना आगे बढ़ाना है, कितना पीछे खींचना है, ये सब कोई और ही तय कर रहा है। जनता को केवल मंच पर होने वाली हलचल दिख रही है, उसके पीछे क्या चल रहा है, इसका अहसास ही नहीं हो रहा। जिस मध्यप्रदेश में कमीनापन जैसे निम्नस्तरीय शब्द को चुनावी मंच से कहा गया, उसी मध्यप्रदेश में भाजपा प्रत्याशी और केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द सिंह तोमर के सुपुत्र देवेंद्र सिंह तोमर से जुड़े कुछ वीडियो पिछले दिनों वायरल हुए। सत्ता के खेल में सीडी, वायरल वीडियो, फोन टैपिंग जैसे हथियारों का इस्तेमाल अब नयी बात नहीं रह गई है। राजनैतिक दल अक्सर चुनाव के वक्त इन्हें एक–दूसरे के खिलाफ इस्तेमाल करते हैं। श्री तोमर के बेटे के जो वीडियो सामने आए हैं, उनमें शुरुआती दो वीडियो में पहले सौ और फिर पांच सौ करोड़ के लेन–देन की बात की गई है और इसके बाद एक तीसरा वीडियो भी आया, जिसमें एक शख्स ने दावा किया कि पहले दो वीडियो में उसी से देवेंद्र तोमर की बातचीत हो रही थी। उसने बताया कि मामला सौ–पांच सौ नहीं, दस हजार करोड़ का है। इसके अलावा विदेश में गांजे की खेती की बात भी इस शख्स ने की। तोमर परिवार के सदस्यों के साथ व्हाट्स ऐप संदेशों के आदान–प्रदान से लेकर उनके आवास पर पार्सल भिजवाने जैसे कई खुलासे इस शख्स ने किए और साफ–साफ कहा कि कोई मीडिया संस्थान उनसे संपर्क करेगा तो वो सारे सबूत दे देंगे। न खाऊंगा, न खाने दूंगा। सारे भ्रष्टाचारियों का हिसाब लूंगा। ऐसे दावे करने वाले नरेन्द्र मोदी के लिए ये एक प्रकरण काफी था कि वे तुरंत हरकत में आते और अपनी केबिनेट के एक वरिष्ठ मंत्री का नाम इस मामले में सामने आने पर उनसे इस्तीफा लेकर नैतिकता के उच्च मापदंड का परिचय देते। देश की ईडी और सीबीआई जैसी जांच एजेंसियां जो जरा सी भनक के आधार पर विपक्षी नेताओं के ठिकाने पर बड़े पैमाने पर छापेमारी कर उनसे घंटों पूछताछ के उदाहरण पेश कर चुकी है, वो जांच एजेंसियां न जाने क्यों अब तक मध्यप्रदेश नहीं जा पाई हैं। जबकि उससे लगे छत्तीसगढ़ और राजस्थान में ईडी, सीबीआई का आना–जाना लगा रहता है। चुनाव आयोग के कान भी इस वीडियो को देखकर खड़े हो जाने चाहिए थे, क्योंकि स्वतंत्र चुनाव तभी संभव है, जब उसमें बेनामी पैसे या काले धन का इस्तेमाल नहीं हो। अगर बात दस हजार करोड़ की है, तो क्या आयोग ये सोचकर निश्चिंत बैठा रह सकता है कि इस रकम से एक धेला भी चुनाव में इस्तेमाल नहीं हो रहा होगा। और फिल्म दुनिया के लोगों के जूतों में ड्रग्स को सूंघ कर कार्रवाई करने वाले नारकोटिक्स विभाग को क्या इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ रहा कि देश में बैठा कोई शख्स विदेश में जमीन लेकर गांजे की खेती की योजना बना रहा है। आखिर ये गांजा उगाकर किस बाजार में बेचने की तैयारी हो रही है।

तेलंगाना चुनाव में पीके की रणनीति!

चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर बिहार में पदयात्रा कर रहे हैं। वे जन सुराज अभियान चला रहे हैं। वे यह भी दावा करते हैं कि अब वे चुनाव प्रबंधन का काम नहीं करते हैं। हालांकि उनकी बनाई कंपनी आई–पैक यानी इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी कई राज्यों में अलग अलग पार्टियों के चुनाव प्रबंधन का काम देख रही है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, तमिलनाडु में डीएमके, महाराष्ट्र में शिव सेना के उद्धव ठाकर गुट के साथ साथ तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति के साथ उनकी कंपनी का करार है। सो, भले प्रशांत किशोर चुनाव रणनीति बनाने के काम से इनकार करें लेकिन चूंकि उनकी कंपनी तेलंगाना में काम कर रही है इसलिए कांग्रेस पार्टी के नेता उनको निशाना बना रहे हैं।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया है कि सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति के नेताओं पर जो हमले हो रहे हैं वह प्रशांत किशोर की रणनीति का हिस्सा है। रेड्डी ने यह भी कह कि पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में भी पीके ने यह रणनीति आजमाई थी। गौरतलब है कि पिछले दिनों बीआरएस के उम्मीदवार कोटा प्रभाकर रेड्डी पर चाकू से हमला हुआ था। उसके बाद एक अन्य उम्मीदवार गुवाला बालाराजू पर भी हमला हुआ। रेवंत रेड्डी का कहना है कि अगर यह राजनीतिक हमला नहीं था तो आरोपियों पर कार्रवाई की जानकारी सार्वजनिक क्यों नहीं की जा रही है? कांग्रेस का आरोप है कि बीआरएस चुनाव हार रही है इसलिए सहानुभूति हासिल करने के लिए उम्मीदवारों पर इस तरह के हमले कराए जा रहे हैं।

खूब लड़ी मर्दानी वो तो झाँसी वाली रानी थी : मृत्युंजय दीक्षित

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)। भारतीय इतिहास ऐसे नायक नायिकाओं की वीर गाथाओं से भरा पड़ा है जिन्होंने मातृभूमि के हित सर्वस्व बलिदान कर इतिहास की धारा को मोड़ दिया। महारानी लक्ष्मीबाई एक ऐसी ही एक महान योद्धा थीं जिन्होंने 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम में सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और युद्ध में माँ दुर्गा के समान वीरता से शत्रु का सामना किया । रानी उन पराक्रमी विभूतियों में से एक हैं जिनके बलिदान के फलस्वरूप आज भारत स्वाधीनता की सांस ले पा रहा है।

रानी लक्ष्मीबाई का जन्म महाराष्ट्र से काशी आकर रहने लगे मोरोपंत तांबे के घर 19 नवंबर सन 1834 को हुआ था। बचपन में लक्ष्मीबाई को प्यार से मनु कहा जाता था। जब मनु 4 वर्ष की थी तब उसकी मां भागीरथी बाई का काशी में देहांत हो गय। जब मनु के पिता को उसके पालन– पोषण के लिए कोई सहारा न दिखाई दिया तब बाजीराव पेशवा ने उन्हें अपने पास बिठूर बुलवा लिया। यहां पर मनु के पिता उसे अपने साथ पेशवा बाजीराव द्वितीय के दरबार में ले जाने लगे।मनु स्वभाव से बहुत चंचल और सुंदर भी थी लोग उसे प्यार से छबीली कहकर बुलाते थे।मनु को यहां पर शस्त्र और शस्त्र दोनों की शिक्षा प्राप्त हुई।सन 1842 में उनका विवाह झांसी के मराठा राजा गंगाधर राव नेवालकर के साथ हुआ और इस प्रकार वह झांसी की रानी बन गईं । विवाह के बाद उनका नाम रानी लक्ष्मीबाई रखा गया।रानी लक्ष्मीबाई ने एक पुत्र को जन्म दिया लेकिन दुर्भाग्यवश अज्ञात बीमारी से बालक की मृत्यु हो गयी। सन 1853 में उनके पति राजा गंगाधर राव का स्वास्थ्य भी बेहद नाजुक रहने लग गया था तब उन्हें दत्तक पुत्र लेने की सलाह दी गयी । पुत्र गोद लेने के बाद 21 नवंबर 1853 को राजा गंगाधर राव की मृत्यु हो गयी। उस समय की अंग्रेज सरकार राज्य हड़प नीति पर चल रही थी और अपनी इसी नीति के अंतर्गत उसने बालक दामोदर राव के खिलाफ अदालत में मुकदमा दायर कर दिया गया और अंग्रेजी कानून के अंतर्गत अदालत के माध्यम से षड्यंत्र के अंतर्गत जानबूझ कर झाँसी राज्य का खजाना जब्त कर लिया और उनके पति के कर्ज को रानी के सालाना खर्च में से काटने का फरमान जारी कर दिया। इसके परिणामस्वरूप रानी को झांसी का किला छोड़कर झांसी के रानी महल जाना पड़ा । अपने पति के निधन के बाद व अंग्रेज सरकार के दमनचक्र के बाद रानी लक्ष्मीबाई पूरे मनोयोग के साथ 1857 के स्वाधीनता संग्राम में भाग लिया ।

1857 में आजादी की आग पूरे उत्तर भारत में धधक रही थी । झांसी भी इस युद्ध में अपनी सम्पूर्ण शक्ति के साथ खड़ी थी और अंग्रेज डनलप को इसकी सूचना मिल चुकी थी इसलिए महारानी लक्ष्मीबाई पर विशेष निगरानी रखी जा रही थी।महल में आने जाने –वाले लोगों की निगरानी हो रही थी तथा पाबंदी भी लगा दी गयी थी लेकिन रानी को अपने जासूसों के माध्यम से सारी सूचनाएं लगातार प्राप्त हो रही थीं ।रघुनाथ सिंह व खुदाबक्श से रानी का संपर्क बना हुआ था। चार जून को कानपुर व झांसी में क्रांति की आग धधक उठी। अंग्रेज अफसर डनलप ने कमिश्नर को सारी सूचना दी। कमिश्नर की सलाह पर छावनी से सभी अंग्रेज अपने परिवार के साथ किले में जाने को तैयार हो गये। अंग्रेज अफसर ने रानी से अपनी सुरक्षा के लिए सहायता मांगी तब रानी ने कहा कि इस समय न तो हमारे पास हथियार हैं और नहीं सैनिक यदि आप लोग कहें तो मैं अपनी जनता की रक्षा के लिए अच्छी सेना खड़ी कर दूं। डनलप स्वीकृति देकर चला गया। उसके बाद सैनिकों के नायक रिसालदार काले खां ने डनलप को गोली मार दी जिसके कारण अंग्रेजों में भगदड़ मच गयी। अपने सहयोगियों के विरोध के बावजूद महारानी ने अंग्रेजों के बीवी और बच्चों को अपने किले में शरण दे दी और उन्हें भोजन भी कराया।उधर 1857 के सिपाही अपनी क्रांति को लगातार आगे बढ़ाते हुए बढ़े चले आ रहे थे और यही रानी के लिए युद्ध में कूदने का सर्वश्रेष्ठ अवसर था।

रानी ने सभा बुलाकर, घोषणा की कि, "अब समय आ गया है, अब मैं चुप नहीं बैठूंगी भले ही प्राण क्यों न चले जायें। रानी लक्ष्मीबाई ने झांसी की सुरक्षा को मजबूत करना प्रारंभ कर दिया, सेना में महिलाओं की भर्ती कर उन्हें प्रशिक्षण दिया जाने लगा।लेकिन इसके पूर्व दतिया और ओरछा के राजाओं ने रानी का साथ न देकर झांसी पर हमला कर दिया लेकिन रानी ने बड़ी बहादुरी के साथ उनके हमले को विफल कर दिया। 1858 के जनवरी महीने में ब्रिटिश सेना ने झांसी को चारों ओर से घेर लिया था। दो हफ्ते की लडाई के बाद रानी झांसी से भाग निकले में कामयाब रहीं।रानी झांसी से भागकर कालपी और फिर तात्या टोपे के पास पहुंची।

तात्या टोपे और रानी की संयुक्त सेनाओं ने ग्वालियर के किले पर कब्जा कर लिया। बाजीराव प्रथम के वंशज अली बहादुर द्वितीय ने भी रानी लक्ष्मीबाई का साथ दिया और वह भी उनके साथ युद्ध में शामिल हुए। लम्बे संघर्षों व युद्धों के बाद रानी ने अपने सैनिकों की वीरता के बल पर झांसी के किले पर नियंत्रण कर लिया। गुलाम गौस खां किले का पुराना तोपची था उसे ही रानी ने तोपची सरदार नियुक्त किया, दीवान जवाहर सिंह को अपना सेनापति बनाया तथा अपनी प्रमुख सहयोगी मोतीबाई को जासूसी विभाग का प्रमुख बना दिया। रानी लक्ष्मीबाई द्वारा राज्य को नियंत्रण में लेने के पांच दिन बाद मोतीबाई ने सूचना दी कि करेरा के किले पर स्वर्गीय महाराज के रिश्तेदार सदाशिव राव ने हमला कर दिया है। रानी ने बिना देर किये करेरा पर हमला बोला, सदाशिव राव वहां से भागने पर मजबूर हो गया तथा सहायता के लिए सिंधिया दरबार पहुंच गया। सिंधिया के तत्कालीन राजा अवयस्क थे। सिंधिया के दिवान ने थोड़ी सेना भेजी जरूर लेकिन तब तक महारानी ने नटवर का घेरा डालकर सदाशिव राव को पकड़ कर झांसी के किले में बंद कर दिया। अब रानी का पराक्रम सर्वत्र फैल गया। रानी ने कई छोटे राज्यों को अपने अधिकार में लेकर उन्हें आजादी की लड़ाई में शामिल करवाया। हर जगह अंग्रेजों के साथ युद्ध चल रहा था। अपने क्षेत्र में महारानी की वीरता का डंका बज रहा था लेकिन उधर अंग्रेज भी वापसी की तैयारी कर रहे थे।

12 मार्च 1858 के दिन अंग्रेज ह्यूरोज की सेना ने अचानक बड़ा हमला कर दिया, इस अचानक हमले में कई सैनिक शहीद हो गये। अंग्रेज सेनापति ने रानी के पास समझौते के लिए एक पत्र भेजा लेकिन महारानी ने इसके विपरीत पत्र भेज दिया। किले पर तोपों का प्रबंधन किया जाने लगा, किले की सुरक्षा और युद्ध का मोर्चा संभालने के लिए उस समय चार हजार सैनिक थे। महारानी ने किले की छत से दूरबीन से सारा नजारा देखा। उन्होंने अपने दो दूत कालपी भेजे ताकि तात्या टोपे से सहायता मिल सके। हयूरोज ने चारों ओर से नाकेबंदी कर दी थी। अंग्रेज सेनापति ने युद्ध शुरू कर दिया। भयंकर गोलीबारी हो रही थी और दोनों ओर से तोपें चल रही थी। अंग्रेज पूरी तत्परता और तेजी के साथ हमला कर रहे थे। महारानी के वीर सिपाही शहीद होने लग गये थे। रानी स्वयं रणचंडी बनकर युद्ध में उतरीऔर अंतिम समय तक संघर्ष किया। स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में वह पहली ऐसी महिला सेनानी थी जिन्होंने अपने छोटे बालक को पीठ पर बांधकर, घोड़े की वल्गा को दांतों से खींचकर, दोनों हाथों से तलवार चलाई । रानी की वीरता की गाथा आज भी रोंगटे खड़े कर देती है ।

झाँसी के किले का वह स्थान जहाँ से रानी ने घोड़े पर बैठकर किले के बाहर छलांग लगाई थी वह स्थान आश्चर्य से भर देता है, क्या कोई इतना पराक्रमी भी हो सकता है कि यहाँ से कूद जाए? वीरता के इस अद्भुत प्रमाण से प्रेरणा लेने सभी देशभक्तों को झाँसी के किले में जाकर उस स्थान को देखना चाहिए।

नगर पंचायत के विकास के लिए बदलापुर को मिली चार करोड़ की सौगात

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर बदलापुर विधायक रमेश चन्द्र मिश्र के प्रस्ताव पर शासन ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय आदर्श नगर पंचायत योजना अन्तर्गत अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु चार करोड़ रुपये की सौगात दिया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं नगर विकास मंत्री ए के शर्मा ने शासन को स्वीकृत चार करोड़ रुपये की प्रथम किश्त दो करोड़ रुपये अविलम्ब जारी करने का निर्गत किया है। सौगात में मिले चार करोड़ रुपये की धनराशि से विभिन्न वार्ड में इन्टरलाकिंग, नाली निर्माण, प्लड लाइट आदि विकास कार्य होगा।

विधायक मिश्र ने बतया कि बदलापुर–जौनपुर मार्ग सल्तनत बहादुर पीजी कालेज से पुलिया के पास तक पटरी पर इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य पर 39.99 लाख रुपये, बदलापुर जौनपुर मुख्य मार्ग पर कमला हॉस्पिटल के पास इंटरलॉकिंग बरनाली निर्माण लागत 40 लख रुपए बदलापुर जौनपुर मुख्य मार्ग पर बाबा परमहंस ऑटो पार्ट्स के पास तक पटरी पर इंटरलॉकिंग नाली निर्माण लागत 39.9 लख रुपए बदलापुर जौनपुर मुख्य मार्ग पर यूनियन बैंक के पास से लाल बाबा ऑटो पार्ट्स की दुकान तक पटरी पर नाली एवं इंटरलॉकिंग का कार्य 39.99 लख रुपए वार्ड नंबर 7 पुरानी बाजार में इंटरलॉकिंग सड़क से विनोद शर्मा के मकान के पास तक सीसी रोड वह पीवीसी पाइप जल निकासी निर्माण के लिए 5.6.200000 वार्ड नंबर 5 भलुआही में गंगा सिंह के मकान के पूर्वी छोर से पश्चिमी छोर तक सीसी सड़क व पीवीसी पाइप जल निकासी के लिए लागत 4.2 रुपए बदलापुर सुल्तानपुर रोड पर पुरानी बाजार में तालाब के सौंदरीकरण के लिए 39.8.2 लख रुपए वार्ड नंबर 10 में चंद्र इंडियन गैस एजेंसी मोड पर 12.5 मी ऊंचाई वाली चना 308 एलईडी फ्लड लाइट सहित कंप्लीट एलईडी स्थापना 5. 47 लख रुपए दाउदपुर में फ्लड लाइट लागत 5.47 लख रुपए दाउदपुर कस्तूरी पर मुख्य मार्ग पर फ्लड लाइट लागत 5.47 लख रुपए दाउदपुर कस्तूरी पर मुखी मार्ग पर सिंसपहीज सपना लागे 510 को 47 लाखों रुपए सुल्तानपुर रोड पर जायसवाल बिल्डिंग मैटेरियल के सामने फ्लेट लाइट की स्थापना 504 7 लाख रुपए में भलुआही हाकरपुर मोड पर फ्लड लाइट की स्थापना 5.47 लख रुपए सल्तनत बहादुर डिग्री कॉलेज के सामने फ्लड लाइट लागत 5.47 लख रुपए च बदलापुर के सामने फ्लड लाइट की स्थापना लागत 5.47 लख रुपए निरीक्षण भवन के पास स्थापना लागत 5.47 लख रुपए।

शिक्षाविद् डा. ब्रजेश यदुवंशी डॉ ज्योति दास सहित 13 साहित्यकार किये गये सम्मानित

1–सांसद श्याम सिंह यादव ने प्रमाण पत्र, अंगवस्त्रम् एवं पुस्तक किया भेंट

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राष्ट्रभाषा हिन्दी एवं हिन्दी साहित्य के प्रचार–प्रसार के लिये गुरूवार को आयोजित कार्यक्रम में पुस्तक वितरण एवं सम्मान समारोह हुआ जहां सांसद श्याम सिंह यादव ने बतौर मुख्य अतिथि जनपद के 13 नामचीन साहित्यकारों को सम्मानित किया। नगर के शिया कालेज में आयोजित कार्यक्रम में श्री यादव ने साहित्यकारों को अंगवस्त्रम्, प्रमाण पत्र एवं पुस्तक भेंट किया। जनपद के 60 पूर्व माध्यमिक विद्यालय को 10 हजार, 32 उच्च विद्यालयों को 25 हजार एवं 16 कॉलेजध्इंटर कॉलेज को 50 हजार रूपये मूल्य की पुस्तकों का निःशुल्क वितरण करने वाले सांसद श्री यादव ने कहा कि इस अनोखी पहल से जिले के 108 शैक्षणिक संस्थानों को हिन्दी साहित्य से संबंधित हिन्दी के महान लेखकों की रचनाओं से समृद्ध एक मिनी लाइब्रेरी की प्राप्ति एवं स्थापना हो जायेगी। विशिष्ट अतिथि जयकेश त्रिपाठी परियोजना निदेशक जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, कार्यक्रम आयोजकध्सह जिला विधालय निरीक्षक राजीव रंजन मिश्र सहित तमाम लोगों की उपस्थिति में मुख्य अतिथि श्री यादव ने वरिष्ठ साहित्यकार, शिक्षाविद्, सम्पादक डा. ब्रजेश यदुवंशी को प्रमाण पत्र, अंगवस्त्रम् एवं पुस्तक देकर सम्मानित किया। इसी क्रम में डॉ. सत्य नारायण दुबे श्शरतेन्दुश्, अहमद निसार, जनार्दन अस्थाना, डॉ. ज्योति दास, अजय सिंह, होरी लाल श्अशांतश्, सभाजीत द्विवेदी श्प्रखर', योगेन्द्र मौर्य, मजहर आसिफ, प्रशांत मिश्र शांत जौनपुरी एवं प्रो. डॉ. राजदेव दुबे को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुकेश कुमार सहित तमाम लोग उपस्थित रहे। वहीं इसकी जानकारी होने पर डा. यदुवंशी के शुभचिन्तकों ने प्रसन्नता व्यक्त किया।जिसमे दीपक श्रीवास्तव पत्रकार दिनेश यादव फौजी, शिक्षक श्रीकांत यादव, आशीष यादव, वाहिद अली, शैलेन्द्र सिंह, अजय पाण्डेय, संजय शुक्ला, वीरेन्द्र गुप्ता, मनीष मिश्रा, अखिलेश यादव, शुभांशू जायसवाल सहित तमाम लोग प्रमुख रहे।

खाना बनाने के दौरान गैस सिलेंडर से लगी आग,पांच झुलसे

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर चंदवक थाना क्षेत्र के चंदवक घाट निवासी शिव नाविक के घर गुरुवार रात खाना बनाने के दौरान गैस सिलेंडर से आग लग गई। चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग पहुंचे व किसी प्रकार आग पर काबू पाया। आग की लपटों के चपेट में आने से परिवार के पांच लोग झुलस गए। सभी को इलाज के लिए निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

शिव नाविक की 18 वर्षीय बेटी निकिता घरेलू गैस चूल्हे पर देर शाम खाना बना रही थी इसी दौरान रेगुलेटर के पास से आग की लपटें निकलने लगी जिसे देख चीख पुकार मच गई।आसपास के लोग आ गए।आग की लपटों पर किसी तरह काबू पाया गया।आग की चपेट में आने से 45 वर्षीय शिव नाविक,12 वर्षीय प्रिंस,18 वर्षीय निकिता,14 वर्षीय प्रिया,8 वर्षीय कृष्णा भी बुरी तरह झुलस गए। घर में रखे खाद्यान्न,कपड़े ,नगदी भी जलकर खाक हो गए।सभी घायलों को निजी अस्पताल पहुंचाया गया जहां इलाज चल रहा है।घटना की सूचना चंदवक पुलिस को दे दी गई है।

ट्रैक्टर से दब कर वृद्धा की मौत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के ऊदपुरगेल्हवा गाँव में मिट्टी लदे ट्रैक्टर की चपेट में आने से उसी गाँव की एक वृद्धा की मौत हो गयी। घटना गुरुवार देर सायं की है। घटना को लेकर मौके पर हड़कंप मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ग्राम ऊदपुरगेल्हवा निवासनी कृपाली पत्नी स्वर्गीय राम मुन्दर सरोज उम्र 65 वर्ष अपने दरवाजे से कहीं जा रहीं थी कि माटी लदे ट्रैक्टर की चपेट में आने से वह बुरी तरह घायल हो गयीं। घायला अवस्था में उन्हें सीएचसी लाया गया। जहाँ प्रथम उपचार के बाद डाक्टरों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में नाजुक हालात के कारण डाक्टरों ने वाराणसी रेफर कर दिया। वाराणसी में इलाज के दौरान उन्होंने शुक्रवार को दम तोड़ दिया। थानाध्यक्ष संतोष पाठक ने बताया कि बताया कि मृतका का शव कब्जे में लेकर पंचायतनामा के बाद जेल भेज दिया गया है। घटना में शामिल ट्रैक्टर तथा चालक को कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

45वीं वार्षिक जनपद स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य शुभारम्भ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जनपद की 45वीं वार्षिक जनपद स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारम्भ शुक्रवार को मंत्री खेल एवं युवा कल्याण विभाग राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव , उ0प्र0 सरकार द्वारा बी0आर0पी0 इण्टर कालेज, जौनपुर के मैदान में श्रीमती सीमा द्विवेदी सांसद राज्यसभा एवं रमेश सिंह जी, विधायक शाहगंज की गरिमामयी उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ में बच्चों ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत से किया अतिथियों को मंत्र मुग्ध कर दिया। प्रा0वि0 खानपुर अकबरपुर, वि0ख0 करंजाकला के सांस्कृतिक कार्यक्रम के मंचन से भाव विभोर होकर विद्यालय की अध्यापिका को मंच पर सम्मानित कर प्रशंसा की। तत्पश्चात जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल ने सभी अतिथियों का स्वागत भाषण से किया। श्रीमती सीमा द्विवेदी जी, सांसद राज्यसभा ने अपने व्यक्तव्य में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल की प्रशंसा करते हुए कार्यक्रम के आयोजन हेतु धन्यवाद दिया तथा कहा कि ऐसे खेल प्रतियोगिताओं से बच्चों का सर्वागींण विकास के साथ–साथ समाज का भी विकास होता है। इस अवसर पर मंत्री गिरीश चन्द्र यादव ने कहा कि उ0प्र0 सरकार प्रदेश में खेल एवं खिलाड़ियों के विकास हेतु प्रतिबद्ध है। शासन स्तर पर विद्यालयों में खेल हेतु 40 मिनट का कालांश निश्चित किया जाये इसके लिए जल्द ही शासनादेश जारी होगा। श्री यादव ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी को खेल शपथ दिलवायी। कार्यक्रम के संचालन हेतु समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी, समस्त जिला समन्वयक, समस्त व्यायाम शिक्षक, अध्यापक एवं खेल अनुदेशक उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या उन्नीस को बदलापुर में

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर बदलापुर तहसील क्षेत्र के ग्रामपंचायत ऊदपुरगेल्हवा में 19 नवम्बर को प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य 11.25 बजे ग्राम चौपाल एवं विभिन्न स्वंय सहायता समूहों द्वारा उत्पादित सामानों की प्रदर्शनी का निरीक्षण करेंगे। तत्पश्चात जनपद के विभागी अधिकारियों के साथ बैठक विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। उप मुख्यमंत्री मौर्य विशेषकर ग्राम्य विकास समग्र ग्राम विकास, ग्रामीण अभियंत्रण, खाद्य प्रसंस्करण, मनोरंजन कर , सार्वजनिक उद्यम एवं राष्ट्रीय एकीकरण विभाग का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद गाँव के ही राम लखन सरोज के आवास पर आयोजित तिलकोत्सव कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे। इस बात का प्रोटोकॉल जारी किया गया है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य 19 को 10 बजे लखनऊ के लामार्टिनियर मैदान से हेलीकाप्टर से चल कर 11.15 बजे पूर्व माध्यमिक विद्यालय श्रीकृष्ण नगर में आगमन होगा। 11.20 बजे विशेष कार द्वारा ग्राम ऊदपुरगेल्हवा में पहुंचेंगे। उपरोक्त सभी कार्यक्रम में भाग लेने के बाद 1 . 10 बजे तिलकोत्सव कार्यक्रम में 1.40 बजे पूर्व माध्यमिक विद्यालय श्रीकृष्ण नगर में बने हेलीपैड पर पहुँच कर 2.50 बजे लखनऊ के लिए रवाना होंगे।

इसरो वैज्ञानिक ने अपने गांव के प्राथमिक विदयालय को दिया स्मार्ट टीवी

शुक्रवार को वैज्ञानिक के पिता ने बेटे की तरफ से प्रधानाध्यापक को सौंपा टीवी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर सिकरारा क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय पाण्डेयपुर के पुरातन छात्र व चंद्रयान 3 टीम के वैज्ञानिक डॉ नीरज कुमार पांडेय ने अपने पिता प्रभाकर पाण्डेय के माध्यम से स्कूल को स्मार्ट टीवी प्रदान किया। विद्यालय एक सादे समारोह में प्रधानाध्यापक रवि प्रकाश मिश्र ने बताया कि ग्राम सभा पांडेयपुर के निवासी अति सम्मानित, अपने प्रकाश से पांडेयपुर ही नहीं बल्कि पूरे देश को प्रकाशित करने वाले, विज्ञान के क्षेत्र में भारत देश को एक नया आयाम प्रदान करने वाले, चंद्रयान 3 के सफल लैंडिंग में अपनी महती भूमिका निभाने वाले, प्राथमिक विद्यालय हसनपुर के पुरातन छत्र ने बच्चो कद लिए 80 सेंटीमीटर का को एक स्मार्ट टीवी अपने पिता प्रभाकर पाण्डेय से भेजवाया जिसे शुक्रवार को उन्होंने बच्चो के सामने उन्हें सौंप। उन्होंने बताया कि डॉ नीरज विद्यालय की मुजल भूत सुविधाएं मुहैया कराने का संकल्प लिया है। अब बच्चे स्मार्ट क्लास में अध्ययन कर पाएंगे। प्रभाकर पाण्डेय ने अपने संक्षिप्त अभिभाषण में कहा कि हम भविष्य में भी इस तरह की अन्य सुविधाएं मुहैया कराने का प्रयास करते रहेंगे।प्रधानाध्यापक ने आभार ज्ञापित किया इस मौके पर नीरज के चाचा व पूर्वांचल विश्व विद्यालय के सेवा निवृत्त प्रशासनिक अधिकारी भूपेंद्र नाथ पाण्डेय तथा विद्यालय शिक्षक रहे।

कबीरुद्दीनपुर व खलसहां में लगी चौपाल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर गौराबादशाहपुर। धर्मापुर ब्लाक के कबीरुद्दीनपुर और खलसहां ग्राम पंचायतों में शुक्रवार को ग्राम की समस्याओं और उसके निराकरण को लेकर ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में ग्रामीणों की शिकायतों का निस्तारण किया गया। सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी ग्रामीणों को दी गयी। इस अवसर पर ज्वाइंट बीडीओ सुभाषचंद्र, एडीओ पंचायत लालजी राम, एडीओ आईएसबी रामराज प्रसाद, एडीओ एजी राम आजाद, एडीओ एसटी विवेक कुमार, प्रधान वन्दना यादव, अशोक यादव, सचिव अरविंद यादव, स्वतंत्र कुमार, राजेश यादव आदि उपस्थित रहे

फार्मेसिस्ट फेडरेशन साइंटिफिक कमेटी के चेयरमैन प्रो डॉ हरलोकेश को इंटरनेशनल फेलोशिप अवार्ड

संवाददाता

लखनऊ। फार्मेसिस्ट फेडरेशन से जुड़े अनेक वैज्ञानिक लगातार विश्व में अपनी ख्याति स्थापित कर देश का नाम रोशन कर रहे हैं, इसी क्रम में फार्मेसिस्ट फेडरेशन की वैज्ञानिक कमेटी के चेयरमैन प्रो डॉ हरलोकेश नरायण यादव को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए ष्फेलोशिप ऑफ इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ कार्डियोवैस्कुलर साइंस अवार्डष से सम्मानित किया गया है। वे अपने नाम के पश्चात सम्मान के रूप में थ्ब्ै लिखने को अधिकृत हो गए हैं। उत्तर प्रदेश के चंदौली निवासी डॉ यादव का नाम विश्व भर के उन 250 वैज्ञानिकों की सूची में शामिल हो गया है, जिन्होंने अपना विशेष योगदान हृदय रोग के विभिन्न शोध के लिए दिया है। हाल ही में डॉ यादव का शोध पत्र जनरल ऑफ न्यूट्रीशनल बायोकेमिस्ट्री के 113वें अंक में प्रकाशित किया गया है जिसमे पल्मोनरी अर्टिरियल हाइपरटेंशन के उपचार में महत्वपूर्ण योगदान बताया गया है। ज्ञातव्य है कि इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ कार्डियोवैस्कुलर साइंसेज कनाडा के मैनिटोबा विश्वविद्यालय स्थित एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है। जिसके अध्यक्ष प्रो ग्रांट पियर्स हैं। यह संस्था प्रतिवर्ष हृदय रोग के रिसर्च में विशेष योगदान देने वाले वैज्ञानिकों को सम्मानित करती है। कुछ दिनों पूर्व हरलोकेश को प्रो. यन एस ढल्ला ओरेशन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

गोशालाओं में सर्दी से बचाव के नहीं इंतजाम, ठिठुर रहे गोवंश ,क्षमता से अधिक है गौवंश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सिंगरामऊ थाना अंतर्गत निराश्रित गोवंशों का सरकारी गोशालाओं में बुरा हाल है। कड़ाके की सर्दी में भी पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए हैं। इसकी वजह से गोवंश ठिठुरने को मजबूर हैं। ऊपर से टिनशेड डाल दिया गया है। जबकि शीतलहर से बचाने की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। अमर उजाला टीम ने मल्लुपुर गांव में स्थित गोशाला की पड़ताल की, तो यह हकीकत सामने आई। मल्लूपुर में स्थित गोशाला में करीब 300 गोवंश हैं। मौके पर आठ गोवंश ठंड की वजह से बीमार पड़े मिले। इनमें से तीन गायें ज्यादा कमजोर हैं गाय को कौवे नोच नोच के खा रहे थे। पांच गायें ठंड से बीमार हैं। वैसे तो ठंड से बचाने के लिए नीचे फर्श, ऊपर टिनशेड और साइडों पर पांच फीट की दीवार है , लेकिन कई गोवंश खुले में ही रखे जा रहे हैं। ग्राम प्रधान अमृता का कहना है कि सर्दी से बचाव के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, जो गाय बीमार चल रही है उनका उपचार किया जा रहा है। खाने की भरपूर व्यवस्था हमारे यहां है।परंतु हकीकत कुछ और ही है गाय को कोई इलाज नहीं मिल रहा है। स्थानीय विशाल मौर्य ने बताया कि गौशाला में मौजूद गोवंशों की हड्डियां दिख रही है गौशाला पशु वध गृह बनकर रह गया है। ज्यादातर खुले आसमान के नीचे ही ठंड में रातें गुजारने को मजबूर हैं। शीतलहर से बचाने के कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं। वृहद गोशाला में गोवंशों के लिए हरे चारे की व्यवस्था नहीं हैं। पीने के पानी की तीन कुंडी बनी हुई है, इनमें ठंडा पानी भरा रहता है। इसी को पीने के लिए गोवंश मजबूर हैं।

एक ही रात में चार घरों को खंगाला था चोरों ने, चार तहरीरों के बाद पुलिस ने अबतक किसी का नही दर्ज किया मुकदमा

पीड़ित का आरोप पुलिस मुकदमा दर्ज करने में कर रही आनाकानी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। केराकत कोतवाली क्षेत्र के थानागद्दी चौकी अंतर्गत सोहनी ग्राम सभा मे मंगलवार की देर रात चार घरों को चोरों द्वारा खंगाला गया था जिसमे से दो घरों से मिलाकर लगभग 9 लाख से ऊपर की चोरी हुई थी, सोहनी के सन्तोष सिंह के घर से आलमारी में रखा एक मंगलसूत्र 30 ग्राम, 12 ग्राम चौन, 6 ग्राम दो अंगूठी, तीन पायल, एक सुई धागा, एक टप्स, बाली सहित 45 हजार नकदी चोर लेकर चले गए, उसी रात सोहनी के ही निवासी अरविंद सिंह के घर से आलमारी में रखे जेवर 10 ग्राम की सोने की चौन, 20 ग्राम का मंगलसूत्र, पायल, 3 अंगूठी, पैजनी, नथिया, मीना सहित 15 हजार रुपये की करेंसी उठा ले गए। पीड़ित सन्तोष सिंह ने बताया कि पुलिस अबतक मुकदमा दर्ज नही की है और करने की बात पर आनाकानी किया जा रहा है। हालांकि सोहनी ग्राम सभा उसी रात संजय सिंह के घर दस चांदी के सिक्के चोर उठा ले गए थे, उसी रात प्रकाश सिंह के घर भी चोरों ने धावा बोला था जहां कुछ मिला नही। सोहनी ग्राम सभा से चार तहरीरों के बावजूद पुलिस अबतक चोरी का मुकदमा नही दर्ज कर सकी।

इस संबंध में थानाध्यक्ष केराकत रामजन्म यादव से बात किया गया तो उनका कहना है कि चौकी प्रभारी थानागद्दी पीड़ितों से बात किये है, तहरीर शायद नही मिली है अबतक

प्रियंका गांधी के आश्वासन पर ही समाप्त होगा धरना

संवाददाता

लखनऊ। अमेठी संसदीय क्षेत्र से प्रियंका गांधी के लोकसभा चुनाव लड़ने की मांग को लेकर कांग्रेस कार्यालय के सामने सोनू सिंह रघुवंशी 6 नवंबर से अपने समर्थकों के साथ अनिश्चितकालीन धरने पर हैं।सोनू सिंह का कहना है।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज टोडरपुर में दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना) राजकीय बालिका इंटर कॉलेज टोडरपुर के सभागार में आज राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान समग्र शिक्षा के अंतर्गत आयोजित विद्यालय प्रबंधन एवं विकास समिति के दो दिवसीय प्रशिक्षण के प्रथम दिवस में राजकीय माध्यमिक विद्यालय की प्रबंध एवं विकास समिति को राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिसमें समिति के गठन के उद्देश्य, लक्ष्य दायित्वो सहित समग्र शिक्षा वित्तीय अभिलेखों का रखरखाव, विद्यालयों के लिए विकास योजना का सृजन करना, सामुदायिक जन सहभागिता द्वारा आदर्श विद्यालय कैसे तैयार करें पर चर्चा परिचर्चा कर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में उपस्थित रहे जिला समन्वयक समग्र शिक्षा माध्यमिक डॉ अभय जैन द्वारा प्रतिभागियों को उद्बोधित करते हुए वित्तीय क्रय प्रणाली के सूक्ष्म बिंदुओं, नई शिक्षा नीति एवं डिजिटल साक्षरता के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही उन्होंने विद्यालयों को सशक्त बनाने हेतु सामुदायिक भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमें सामुदायिक सहभागिता के द्वारा आदर्श विद्यालय की परिकल्पना को सार्थक बनाना है। मास्टर ट्रेनर विनय मिश्रा द्वारा विभिन्न विभागों के समन्वय सहित कैसे आमजन को विद्यालय से जोड़कर अपनी संस्थागत आवश्यकताओं, विद्यालय के आधारभूत व्यवस्थाओं को मूर्त रूप प्रदान कर सकते हैं पर प्रकाश डाला। मास्टर ट्रेनर आशीष दीक्षित द्वारा विद्यालय विकास योजना कैसे बनाएं, संसाधनों की पूर्ति कैसे करें, शैक्षिक एवं प्रबंधकीय समिति का गठन एवं रूपरेखा सहित विकास योजना बनवाने सहित सामुदायिक अभिलेख पर प्रशिक्षण प्रदान किया। इस अवसर पर राजकीय बालिका इंटर कॉलेज टोडरपुर, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय उधरनपुर, बिलहरी, धनवार, मंझिला, आटदानपुर, आँझी, शिरोमणिनगर के प्रधानाचार्य, वरिष्ठ शिक्षक सहित 10 सदस्यीय समिति के समस्त सदस्य उपस्थित रहे।

शासन के निर्देश पर बीज की दुकानो पर आकस्मिक छापा

गुणवत्ता परखने के लिए संग्रहित किये गये बीज के नमूने

प्रमाणित तथा रिसर्च बीज के नाम पर कई दुकानदार कर रहे किसानो के साथ धोखाधडी

हरदोई (अंबरीश कुमार सक्सेना)। शासन के निर्देशानुसार जिलाधिकारी के आदेश पर पूरे जिले मे बीज की दुकानो की आकस्मिक जांच करायी गयी। अलग–अलग स्थानो के पर जांच कराने के लिए अलग–अलग अधिकारी नियुक्त किए गये। सब डिवीजनल एग्रीकल्चर आफीसर एक्सटेंशन (एसडीएओ एक्सटेंशन) विनीत कुमार ने उधरनपुर स्थित शिवम खाद भंडार तथा आई एफ डी सी किसान सेवा केंद्र, अल्हापुर स्थित शंकर फर्टिलाइजर तथा नवीन मन्डी स्थल गेट के सामने जय भोले बीज भंडार आदि कई दुकानो से बीज के सेम्पुल संग्रहित किये ताकि उनकी गुणवत्ता की जांच की जा सके। उल्लेखनीय है जिला मुख्यालय तथा आसपास के क्षेत्रो मे प्रमाणित तथा रिसर्च बीज के नाम पर तमाम दुकानदार किसानो के साथ भारी धोखाधडी कर उनकी जेब पर डाका डाल रहे है। श्रीराम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स का किसानो के मध्य गेंहू बीज का लोकप्रिय ब्रांड सुपर 303 के नाम से मिलते जुलते नाम से कई कम्पनिया धोखाधडी कर रही है। निकटवर्ती जनपद शाहजहांपुर से अधिमानक गेहूं बीज को पंतनगर के प्रमाणित बीज तथा रिसर्च बीज के नाम से नगर के कई दुकानदारो को आपूर्ति किये जाते है जिनमे बाकायदा प्रमाणीकरण के टैग भी लगे रहते है लेकिन जब किसान उन्हे अपने खेतो मे बुबाई करता है तब पौध उगने पर कोई पौधा बहुत छोटा रहता है जबकि कुछ पौधे काफी लम्बे हो जाते है। फसल तैयार होने पर उन्हें उपज भी अच्छी प्राप्त नहीं होती है जबकि किसान एक ही वैराइटी का प्रमाणित बीज का टैग लगा हुआ गेहूं की रोपाई करता है । किसानो का कहना है कि इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि गेहूं का बीज प्रमाणित न होकर मिलावटी तथा बाजारी गेहूं भरकर ही टैग लगाकर बेचा गया है ।इससे तो वह अपने घर का बीज की बुबाई कर लेते तो उपज अच्छी हो जाती है।

अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन उ.प्र की 17 दिसंबर को लखनऊ में होगी वैश्य संकल्प रैली

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन उ.प्र द्वारा दिनांक 17 नवंबर 2023 को अपराह्न 11:30 बजे से 2:30 बजे तक प्रदेश की एक उच्चस्तरीय बैठक होटल सिलवट राणा प्रताप मार्ग लखनऊ के सभागार में आहूत की गयी।

उच्चस्तरीय अति महत्वपूर्ण बैठक में समस्त जिला प्रभारी जिलाध्यक्ष महानगर प्रभारी महानगर अध्यक्ष युवा के जिलाध्यक्ष ,महानगर अध्यक्ष महिला इकाई के जिलाध्यक्ष महानगर अध्यक्ष प्रदेश कार्यसमिति के सभी सम्मानित पदाधिकारी एवं प्रदेश में निवास कर रहे राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी गण सम्मिलित हुए।

बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष सुधीर एस हलवासिया ने करते हुए कहा कि समाज में वैश्य समाज को उनकी

योग्यता और महत्वपूर्ण भागीदारी के लिए जाना जाता है और वैश्य समाज को और भी अधिक संगठित करना और मजबूती प्रदान करना इस बैठक का उद्देश्य है इसी क्रम में आगामी 17 दिसंबर को होने वाली वैश्य संकल्प रैली के लिए देश भर से वैश्य समाज को एकजुट होकर आगे बढ़ना है।

आपको बता दे कि अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन द्वारा आगामी 17 दिसंबर को लखनऊ में विशाल रूप से वैश्य संकल्प रैली का आयोजन हो रहा है जिसमे देश भर से वैश्य समाज के लोग शामिल होंगे , ये संकल्प रैली किसी बड़े बदलाव का संकेत दे रही है या यु कहे कि अब वैश्य समाज अपनी भागीदारी को लेकर स्पष्ट स्थिति में आ चुका है, ये संकल्प रैली एक बड़े बदलाव में परिवर्तित होगी और आज की बैठक संकल्प रैली का शंखनाद है इस संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री एवं पूर्व विधायक उमेश अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त किये साथ ही प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष विद्युप अग्रहरि , प्रदेश युवा उपाध्यक्ष राहुल राज रस्तोगी प्रदेश महामंत्री शैलेन्द्र अग्रहरि एवं भारत भूषण गुप्ता ,राम किशोर गुप्ता आनंद कुमार गुप्ता युवा प्रदेश अध्यक्ष श्रीराम अग्रवाल रैली सह संयोजक पवन कुमार गुप्ता , सुनील रामा एवं प्रदेश कोशाद्यक्ष शिवम् बरनवाल प्रदेश महिला अध्यक्ष डाक्टर शिवानी मातनहेलिया ने बैठक में अपने सुझाव दिए और बैठक का सफलतापूर्वक संचालन किया।

बैठक में प्रदेश मीडिया प्रभारी रितिका जायसवाल ने पत्रकारों और मीडिया का संचालन किया।

सुब्रत रॉय पंचतत्व में विलीन,16 साल के पोते ने मुखाग्नि दी

संवाददाता

लखनऊ। सहारा इंडिया के चेयरपर्सन सुब्रत रॉय गुरुवार को पंचतत्व में विलीन हो गए। सुब्रत रॉय की अंतिम यात्रा शाम साढ़े चार बजे लखनऊ के सहारा शहर से बैकुंठ धाम पहुंची। यहां पर 16 साल के पोते हिमांक ने मुखाग्नि दी। इस दौरान सपा प्रमुख अखिलेश यादव, फिल्म डायरेक्टर बोनी कपूर और अभिनेता राज बब्बर मौजूद रहे।

हिमांक, सुब्रत रॉय के छोटे बेटे सीमांतो का बेटा है, जो लंदन में पढ़ाई करता है। दोनों बेटे सुशांतो और सीमांतो अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हुए। दोनों विदेश में हैं। ऐसा माना जा रहा है कि उनके लिए ही अंतिम संस्कार एक दिन देरी से किया गया। मगर वह नहीं आए। इस पर न तो रॉय परिवार से कोई कुछ कह रहा है।

सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा आज से शुरू, श्रद्धालु उगते सूर्य को अर्घ्य देकर करते है प्रणाम

संवाददाता

लखनऊ। पुत्र मनोकामना और उसके दीर्घायु तथा कुशलता के लिए चार दिवसीय लोक आस्था का पर्व छठ पूजा (सूर्योपासाना) 17 नवंबर से शुरू कर 20 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर समापन होगा। सूर्योपासना के इस पवित्र चार दिवसीय पर्व के पहले दिन परवातिन (व्रत करने वाले) श्रद्धालु अंतःकरण की शुद्धि के लिए कल नहाय–खाय के संकल्प के साथ नदियों–तालाबों के स्वच्छ जल में स्नान करने के बाद अरवा भोजन ग्रहण कर व्रत को शुरू करेंगे। उसके बाद और चौथे दिन उगते सूर्य को गंगा में खड़े होकर अर्घ्य देकर व्रत समाप्त किया जाता है। यही एक ऐसा पर्व है जिसमें मूर्ति की पूजा नहीं होती और अस्ताचलगामी सूर्य का अर्घ्य दिया जाता है अन्यथा उगते सूर्य को ही अर्घ्य देकर उन्हें प्रणाम किया जाता है। छठ पर्व के दूसरे दिन को खरना के रूप में जाना जाता है। हालांकि इसी दिन से छठ व्रती का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो जाता है। शाम के वक्त अरवा चावल, दूध, गुड़, खीर इत्यादि का प्रसाद बनता है तथा भगवान भास्कर को चढ़ाने के बाद व्रती अल्प प्रसाद ग्रहण करती हैं। इस दिन निर्जला उपवास की शुरुआत हो जाती है। छठ पूजा में तीसरे दिन को सबसे प्रमुख माना जाता है। इस मौके पर शाम के समय नदी या तालाब में खड़े होकर भगवान सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा है। बांस की टोकरी में फलों, ठेकुआ, चावल के लड्डू आदि से अर्घ्य के सूप को सजाया जाता है। चौथे दिन सुबह भगवान भास्कर के उदीयमान स्वरूप को अर्घ्य दिया जाता है। सुबह श्रद्धालु छठ घाट पहुंचते हैं और उगते हुए सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। इसके बाद परवातिन द्वारा पारण किया जाता है तथा छठ का व्रत खोल दिया जाता है, इसी के साथ छठ पर्व का समापन भी हो जाता है।

कायस्थ कल्याण समिति द्वारा चित्रगुप्त पूजनोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह किया गया आयोजित

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। कायस्थ कल्याण समिति द्वारा अपने 33 वें चित्रगुप्त पूजनोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महामहिम राष्ट्रपति से सम्मानित डॉक्टर नीरजा माधव वरिष्ठ साहित्यकार एवं पूर्व निदेशकआकाशवाणी वाराणसी रही ।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉक्टर सुशील सिन्हा निदेशक द्वारिका हास्पिटल प्रयागराज एवं डॉ विवेक श्रीवास्तव निदेशक व वरिष्ठ सर्जन साल्वेशन हॉस्पिटल जौनपुर रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता कायस्थ कल्याण समिति के अध्यक्ष दयाल सरन श्रीवास्तव द्वारा किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान चित्रगुप्त की पूजन एवं आरती से किया गया ! कार्यक्रम के प्रारंभ में दीप प्रज्वलित कर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया ! अतिथियों का स्वागत समिति की महिला शाखा की अध्यक्ष डॉ मधुलिका अस्थाना , उपाध्यक्ष रोली श्रीवास्तव द्वारा स्वागत गीत से किया गया ।कार्यक्रम में भगवान चित्रगुप्त एवं उनके पुत्रों की झांकी एवं छोट छोटे बच्चों द्वारा गायन एव नृत्य आकर्षण का केंद्र रहे ! मुख्य अतिथि डॉक्टर नीरजा माधव ने अपने संबोधन में चित्रांश बंधुओ से अपील किया कि बच्चों को आई ए० एस० ध्पी० सी० एस० बनने की प्रेरणा दे वह साफ्टवेयर इंजीनियर बन अपने जड़ों से दूर जा रहे हैं आज हमारे परिवार के बच्चे बाहर जाकर बस जा रहे हैं एवं माता–पिता को भी भूल जा रहे हैं, उनमें ऐसे संस्कार डाले जाए जो उन्हें अपने जड़ों से जुड़े रखें । बच्चे अपनी विरासत को भी बचाने की कोशिश करें। डॉक्टर सुशील सिन्हा विशिष्ट अतिथि ने अपने संबोधन में चित्रांश बन्धुओं से आपस में एकता का आह्वान किया तथा आश्वस्त किया कि वह कायस्थ पाठशाला ट्रस्ट के चुनाव में यदि विजई होते हैं तो ट्रस्ट के समस्त लाभकारी योजनाओं का लाभ जौनपुर के चित्रांश बंधुओ को दिलाएंगे तथा ट्रस्ट के संस्थापक काली प्रसाद जी जिनका जन्म जौनपुर की पावन धरती पर हुआ था उनकी एक मूर्ति की स्थापना जौनपुर में करेंगे । कार्यक्रम में विभिन्न वक्ताओं ने चित्रांश बंधुओ से एक होने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में चयनित छात्रों को प्रथम द्वितीय तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार वितरितत किया गया ! कार्यक्रम के मध्य शिक्षक दिवस पर सम्मानित किए गए विशिष्ट शिक्षकों को यथा श्रीमती आरती श्रीवास्तव श्रीमती उर्मिला श्रीवास्तव एवं श्री सुजीत कुमार श्रीवास्तव को शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट कार्यके उपलक्ष में ष चित्रगुप्त सम्मान ष से सम्मानित किया गया ! श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव को राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित होने , चित्रांश परिवार की गरिमा बढ़ाने पर राज्य सरकार द्वारा विभिन्न पुरस्कार दिए जाने के कारण कायस्थ रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया गया । सम्मान के क्रम में जनपद में कार्यरत विभिन्न चित्रांश पत्रकारों को ,इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों को यथा श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव विश्व प्रकाश श्रीवास्तव श्दीपकश जी आदि को समिति द्वारा सम्मानित किया गया ।इसी क्रम में संस्थापक सदस्यों द्वारा अपने वार्षिक मूल्यांकन के आधार पर पूर्व महिला अध्यक्ष पिंकी श्रीवास्तव को कायस्थ रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया ।कार्यक्रम में संस्थापक सदस्य इंजीनियर आर० डी०श्रीवास्तव सुनील अस्थाना, प्रदीप अस्थाना, संरक्षक द्वय प्रदीप श्रीवास्तव डी० ओ०एव प्रदीप श्रीवास्तव श्पप्पू जीश द्वारा मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्रम देकर सम्मानित किया गया ।कार्यक्रम में सभी वक्ताओं ने चित्रांश बंधुओ से एकता एवं आपसी समरसता बनाने का आह्वान किया ।समिति के अध्यक्ष दयाल सरन श्रीवास्तव द्वारा सभीअतिथियों का एवं चित्रांश बंधुओ का स्वागत किया गया विशिष्ट अतिथि डॉ विवेक श्रीवास्तव ने कायस्थ कल्याण समिति के किए गए कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए आश्वस्त किया की समिति के द्वारा अनुमोदित किसी भी मरीज को उनके चिकित्सालय में मुफ्त चिकित्सा व्यवस्था दी जाएगी एवं वर्ष में किसी भी तीन मरीज को समिति के अनुमोदन पर निशुल्क ऑपरेशन की सुविधा भी दी जाएगी ।समिति द्वारा प्रेषित किसी भी मरीज को चिकित्सालय की ओपीडी में मुफ्त निशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी ! समिति के महासचिव विपनेश श्रीवास्तव द्वारा समिति के 33 वर्षों में किए गए सामाजिक कार्य एवं विभिन्न अध्यक्षों के कार्यकाल में किए गए विशेष सामाजिक कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया ! कार्यक्रम के अन्त में कार्यक्रम संयोजक डॉ अशोक अस्थाना ने आभार व्यक्त किया कार्यक्रम में समिति के पदाधिकारी ज्ञान श्रीवास्तव उपाध्यक्ष गौरव श्रीवास्तव उपाध्यक्ष डॉ रवि श्रीवास्तव वरिष्ठ उपाध्यक्ष गणतंत्र श्रीवास्तव, सचिव कोषाध्यक्ष आलोक रंजन सिन्हा, मनीष श्रीवास्तव सांस्कृतिक सचिव, राजेश किशोर श्रीवास्तव संगठन सचिव, परीक्षानियंत्रक डॉक्टर अखिलेश चंद्र श्रीवास्तव ,युवा अध्यक्ष विनीत श्रीवास्तव ,विजय श्रीवास्तव ,महिला अध्यक्ष डॉक्टर मधुलिका अस्थाना ,महिला सचिव ज्योति श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष रोली श्रीवास्तव ,अपर्णा श्रीवास्तव तथा अन्य पदाधिकारी, युवा महासचिव डॉक्टर धनंजय श्रीवास्तव उपाध्यक्ष आलोक रंजन श्रीवास्तव भाजपा नेता राजेश श्रीवास्तव बच्चा भैया ,राष्ट्रीय सचिव अखिल भारतीय कायस्थ महासभा रवि श्रीवास्तव,कार्यकारी अध्यक्ष अखिल भारतीय कायस्थ महासभा संजय श्रीवास्तव, भाजपा महासचिव अमित श्रीवास्तव भाजपा नगर अध्यक्षअमित श्रीवास्तव वरिष्ठसंरक्षक आनंद मोहन श्रीवास्तव, अखिल भारतीय महासभा के महासचिव संजय अस्थाना, अजय श्रीवास्तव विजय श्रीवास्तव ,मयंक श्रीवास्तव आदि उपस्थिति रहे। कार्यक्रम का संचालन महासचिव विपनेश कुमार श्रीवास्तव ने किया।

पुलिस ने हत्याकांड का किया खुलासा पत्नी ने करायी थी प्रेमी से हत्या

साजिशकर्ता व पत्नी गिरफ्तार, हत्याकांड में प्रयुक्त मोबाइल व कार बरामद

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सिंगरामऊ थाना क्षेत्र के बहरा हाई–वे के किनारे 10 नवंबर को एक शव मिला था। जांच में पता चला कि उसके सिर में गोली मारकर हत्या की गई थी। मामले में पुलिस ने मृतक की पत्नी व हत्या के मामले में साजिशकर्ता एक व्यक्ति को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा पूछताछ में पता चला कि पत्नी ने ही प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या करवाई थी।मामले के खुलासा करते हुए शुक्रवार को अपर पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि हत्या का खुलासा करने के लिए कोतवाली पुलिस के साथ ही सिंगरामऊ थाने की पुलिस, सर्विलांस टीम लगायी गई थी। जौनपुर कोतवाली क्षेत्र के उर्दू बाजार निवासी 35 वर्षीय विभाष कुमार वर्मा की गोली मारकर हत्या की गई थी। उस का शव सिंगरामऊ क्षेत्र में फेंका गया था। पड़ताल में पता चला कि सोनू लाल सेठ व मधु सोनी पत्नी विभाष कुमार वर्मा दोनों एक साथ एक कीर्तिकुंज ज्वेलर्स में काम करते थे। वहीं से दोनों में प्रेम हो गया। वह शादी करना चाहते थे। मधु सोनी ने सुभाष चन्द्र सेठ के साथ साजिश करके अपने पति विभाष की हत्या अपने प्रेमी सोनू लाल सेठ के करा दी। सोनू सेठ ने ही विभाष कुमार वर्मा की गोली मारकर हत्या किया है ।हत्या कहीं और करके शव को कार में लादकर सिंगरामऊ थाना क्षेत्र में फेंका गया। पुलिस ने आरोपी साजिशकर्ता सुभाष चन्द्र सेठ मृतक की पत्नी मधु सोनी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से मोबाइल व कार बरामद की गई ।अन्य विधिक कार्यवाही की जा रही है।

गांव-गांव में सुरक्षा का एहसास करा रहे इंस्पेक्टर विद्यासागर पाल

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। हरदोई जनपद में पचदेवरा कोतवाली के इंस्पेक्टर विद्यासागर पाल ने ग्राम मुर्तजानगर, जलपापुर एवं नई

बस्ती के रजिस्टर नंबर 8 की चेकिंग गांव पहुंचकर की। ग्राम वासियों से गांव की सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित एवं अन्य गतिविधियों की जानकारी की। उल्लेखनीय है कि गांव–गांव में सुरक्षा का एहसास इंस्पेक्टर विद्यासागर पाल करा रहे हैं।

लखनऊ में शुरू हुई अग्निवीर भर्ती,पहले दिन 3 जिलों के 1180 अभ्यर्थी हुए शामिल

संवाददाता

लखनऊ। सेना के आरओ (मुख्यालय) लखनऊ में आज से अग्निवीर भर्ती रैली का आगाज हुआ। पहले दिन ओरैया, चित्रकूट और कन्नौज के करीब 1 हजार 180 अभ्यर्थी शामिल हुए। 22 नवंबर तक चलने वाली भर्ती में कुल 13 जिलों के करीब 11 हजार अभ्यर्थियों के शामिल होने की उम्मीद हैं।

यूपी पुलिस निरंकुश, अपराध रोकने से ज्यादा दबाने में लेती है रुचि : रालोद

संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष भूतपूर्व एमएलसी रामाशीष राय ने बिजनौर में व्यापारी के घर डकैती एवं उसकी पत्नी से गैंगरेप को लेकर प्रदेश में कानून एवं व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह खड़ा किया। उन्होंने कहा कि बुलडोजर से अपराधों पर लगाम लगाने का दावा करने वाले प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ दूसरे प्रदेशों के विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के प्रचार में व्यस्त हैं और उत्तर प्रदेश को निरंकुश ब्यूरोक्रेसी के हवाले कर रखा है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।